# के.डी.न्यूज

सुलतानपुर से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

UPHIN 47497

वर्ष–01 अंक 41 सुलतानपुर रविवार 15 दिसम्बर 2024 मूल्य : दो रूपया पृष्ठ : 4


## हमारे देश में संविधान को नोंचा गया

## आपातकाल का जिक्र कर बोले पीएम मोदी- कांग्रेस के माथे का ये पाप कभी नहीं धुलेगा

**देश में आपातकालीन लाया गया। प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म कर दिया। कांग्रेस के माथे का ये पाप कभी नहीं धुलेगा। आर्टिकल 370 देश की एकता में दीवार बना था। हमारी प्राथमिकता देश की एकता थी, इसलिए धारा 370 को हटाया। इतने बड़े विशाल देश में अगर आर्थिक रूप से आगे बढ़ना है। विश्व को निवेश के लिए आना है। इकोनशमिक यूनिटी के लिए जीएसटी ने बड़ी भूमिका अदा की है। वन नेशन वन टैक्स बड़ी भूमिका को आगे बढ़ा रहा है।**

एजेंसी / नई दिल्लीं।पीएम मोदी ने कहा कि हम सभी के लिए, सभी देशवासियों के लिए, दुनिया के लोकतंत्र पसंद नागरिकों के लिए ये बहुत गर्व का पल है। लोकतंत्र के पर्व को बड़े गौरव के साथ मनाने का अवसर है। संविधान के 75 वर्ष की यात्रा एक अविस्मरणीय यात्रा है और दुनिया के सबसे महान और विशाल लोकतंत्र की इस यात्रा के मूल में हमारे संविधान निर्माताओं की दूरदर्शिता का योगदान है, जिसे लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। 75 वर्ष पूरे होने पर ये उत्सव का क्षण है। आजादी से पहले संविधान निर्माताओं के बीच एकता थी। लेकिन आजादी के बाद गुलामी की मानसिकता में पड़े लोग देश की विविधिता में विरोधाभास ढूंढते रहे। ये लोग विविधिता को सेलिब्रेट करने के बजाय उसे तोड़ने की कोशिश करते रहे। जब देश संविधान 25 वर्ष पूरे कर रहा था तब हमारे देश में संविधान को नोंच दिया गया। देश में आपातकालीन लाया गया। प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म कर दिया। कांग्रेस के माथे का ये पाप कभी नहीं धुलेगा। आर्टिकल 370 देश की एकता में दीवार बना था। हमारी प्राथमिकता देश की एकता थी, इसलिए धारा 370 को हटाया। इतने बड़े विशाल देश में अगर आर्थिक रूप से आगे बढ़ना है। विश्व को निवेश के लिए आना है। इकोनॉमिक यूनिटी के लिए जीएसटी ने बड़ी भूमिका अदा की है। वन नेशन वन टैक्स बड़ी भूमिका को आगे बढ़ा रहा है।

राशन कार्ड गरीबों के लिए मूल्यवान दस्तावेज रहा है। लेकिन अगर एक राज्य से दूसरे राज्य जाता था तो किसी चीज का हकदार नहीं था। एकता के भाव को मजबूत करने के लिए वन नेशन वन राशन कार्ड को हमने आगे किया। देश के नागरिकों को मूफ्त में इलाज मिलने पर गरीबी से लड़ने की ताकत दोगुनी हो जाती है। किसी काम से वो बाहर गया वहां वो जीवन मृत्यु की लड़ाई लड़ता हो ऐसे समय में उसे सहायता नहीं मिलेगी तो वो किस काम की। इसलिए हम वन नेशन वन हेल्थ कार्ड के रूप में आयुष्मान कार्ड लेकर आए। देश में कई बार ऐसा हुआ कि देश के एक हिस्से में बिजली थी, लेकिन सप्लाई नहीं हो रही थी। इसलिए दूसरे इलाके में अंधेरा रहता था। फिर हमने वन नेशन वन ग्रीड को परिपूर्ण किया। आज बिजली के प्रवाह को निर्विरोध हिंदुस्तान के हर कोणे में ले जाया जा सकता है। इंफ्रास्ट्रक्टर में भेदभाव की बू आती रहती है। लेकिन हमने संतुलित विकास को ध्यान में रखते हुए हिमालय की गोट के इलाके, रेगिस्तान के सटे इलाके या नार्थ ईस्ट सभी को बदलने का काम किया है।

## सीएम सुक्खू को दिए गए डिनर में जंगली चिकन परोसने का दावा, मचा बवाल, भाजपा ने की कार्रवाई की मांग

एजेंसी / शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने शिमला में एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद विवाद पैदा कर दिया, जहां कथित तौर पर 1972 के वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत संरक्षित प्रजाति जंगली चिकन को रात के खाने के मेनू में परोसा गया था। यह घटना एक पशु कल्याण संगठन द्वारा एक कथित वीडियो साझा किए जाने के बाद सामने आई। इस घटना की पशु अधिकार समूहों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने व्यापक निंदा की है और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ माफी और कार्रवाई की मांग की है। सार्वजनिक कार्यक्रम शिमला के सुदूर कुफरी क्षेत्र में आयोजित किया गया था। सीएम सुक्खू रात्रिभोज में शामिल हुए और मेनू में जंगली चिकन, बिचू बूटी (एक स्थानीय जड़ी बूटी), और मक्का और गेहूं से बनी ब्रेड के स्लाइस शामिल थे।

हालांकि सीएम सुक्खू ने जंगली मुर्गे का सेवन नहीं किया, लेकिन इसे राज्य के स्वास्थ्य मंत्री और अन्य मेहमानों को परोसा गया, जो संरक्षित प्रजातियों के अवैध शिकार के बारे में चिंता पैदा करता है। गौरतलब है कि उक्त जंगली मुर्गे राज्य में 3,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर पाए जाते हैं। यह कानूनी रूप से संरक्षित है और इसका शिकार करना दंडनीय अपराध है। इस विवाद ने सोशल मीडिया पर तूल पकड़ लिया, जिसमें पशु कल्याण समूहों और राजनीतिक नेताओं दोनों की ओर से जवाबदेही की मांग की गई। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता चेतन भरटा ने मांग की कि सीएम सुक्खू को सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए और जंगली चिकन परोसने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

राज्य के पूर्व सीएम जयराम ठाकुर ने भी घटना की निंदा की और इसे अस्वीकार्य बताया। उन्होंने सरकार से इस मुद्दे का तत्काल समाधान करने का भी आग्रह किया। ष्हालांकि सरकार जनमंच जैसे आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों की शिकायतों को दूर करने का दावा करती है, लेकिन वे अब पिकनिक मना रहे हैं। जंगली चिकन जैसी संरक्षित प्रजाति का सेवन करने पर जेल की सजा और जुर्माना हो सकता है।

## जज लोया का नाम लेकर क्या बोलीं मोइत्रा? संसद में मच गया हंगामा, मिली कार्रवाई की चेतावनी

एजेंसी / नयी दिल्ली। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र पर संविधान में हजारों कटौती करके खून बहाने का आरोप लगाया और कहा कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि राजनीतिक कार्यपालिका ने पिछले 10 वर्षों में व्यवस्थित रूप से लोकतंत्र को नष्ट कर दिया है। संविधान के 75 साल पूरे होने पर लोकसभा में बहस के दौरान

मोइत्रा ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष को परेशानी इस बात से है कि उच्च न्यायपालिका के कुछ सदस्य समझौता करने की पूरी कोशिश करते नजर आते हैं।

निवर्तमान सीजेआई ने स्पष्ट रूप से बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान जमानत का अधिकार कैसे दिया गया है। अर्णब के लिए ए से लेकर जुबैर के लिए जेड तक, उनके अक्षर संक्षिप्त प्रतीत होते हैं क्योंकि इसमें गुलफिशा फातिमा के लिए जी शामिल नहीं था, हनी बाबू के लिए एच शामिल नहीं था, खालिद सैफी के लिए के शामिल नहीं था, शरजील इमाम के लिए एस शामिल नहीं था। चंद्रचूड़ के स्पष्ट संदर्भ में, मोइत्रा ने कहा कि पूर्व सीजेआई ने यह कहने का मुद्दा उठाया कि सुप्रीम कोर्ट का उद्देश्य राजनीतिक विपक्ष की तरह काम करना नहीं है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष में हमें अपना काम करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की जरूरत नहीं है। हम इसे (ऐसा करने के लिए) नहीं कह रहे हैं, लेकिन हमें परेशानी यह है कि उच्च न्यायपालिका के कुछ सदस्य हमारी संवैधानिक अदालतों की स्वतंत्रता और अखंडता से समझौता करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

## भारतीय संविधान न सिर्फ सबसे बड़ा है, बल्कि दुनिया का सबसे खूबसूरत भी है, लोकसभा में बोले किरेन रिजिजू

एजेंसी / नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि भारतीय संविधान न सिर्फ सबसे बड़ा है, बल्कि दुनिया का सबसे खूबसूरत संविधान भी है। लोकसभा में संविधान पर चर्चा में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि हमारे शब्दों और कार्यों से भारत की छवि खराब नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि संविधान की भावना के अनुरूप एक आदिवासी महिला हमारे देश की राष्ट्रपति बनीं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सत्ता में आने के बाद संविधान की भावना को बरकरार रखा और इसके प्रमुख पहलुओं के आसपास योजनाएं लागू कीं।

किरेन रिजिजू ने कहा कि भारतीय संविधान दुनिया के सभी संविधानों में सबसे समावेशी है। उन्होंने कहा कि संविधान प्रत्येक व्यक्ति को अपनी धार्मिक प्रथाओं का पालन करने की अनुमति देता है और प्रत्येक नागरिक को अपनी आवाज उठाने का अधिकार है। रिजिजू ने कहा कि संविधान की विभिन्न धाराएं अल्पसंख्यकों को भी समान अधिकारों का आनंद लेने में सक्षम बनाती हैं। रिजिजू ने कहा कि भारतीय संविधान न सिर्फ सबसे बड़ा है, बल्कि दुनिया का सबसे खूबसूरत संविधान भी है।भाजपा नेता ने कहा कि मैं ऐसे क्षेत्र से आता हूं जहां मैंने हवाई जहाज पहले देखा है और कारें बाद में क्योंकि मेरे सांसद बनने के बाद ही कारों के लिए सड़कें बनीं। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री ने मुझे उस स्थान पर बैठने का अवसर दिया जहां बाबा साहब भीमराव अंबेडकर बैठे थे। जब मैं इस देश का कानून मंत्री बना। कानून मंत्री का पद संभालने से पहले मैंने सबसे पहले यह समझने की कोशिश की कि बाबा साहब अंबेडकर क्या चाहते थे, उनके मन में ऐसी कौन सी बातें और विचार थे जो वे नहीं कर सके।

उन्होंने कहा कि पहली बात जो मेरे दिमाग में आई वह यह थी कि बाबा साहेब अम्बेडकर इस देश के पहले कानून मंत्री बने लेकिन उन्होंने इस्तीफा क्यों दिया, इस पर अक्सर लोगों के सामने चर्चा नहीं होती। मैंने वह पत्र पढ़ा जो बाबा साहेब अम्बेडकर ने पंडित नेहरू जी को लिखा था, जो प्रधान मंत्री थे। उन्होंने कहा कि एक नैरेटिव रचा जा रहा है। सेंटर फॉर पॉलिसी एनालिसिस इन यूरोपियन यूनियन के सर्वे के मुताबिक यूरोपियन यूनियन में 48 फीसदी लोग भेदभाव का शिकार हुए हैं। इनमें से अधिकांश इस्लाम को मानने वाले मुसलमान हैं। फरांस में अनेक भेदभाव संबंधी रिपोर्टें प्रस्तुत की गईं। उसमें बहुसंख्यक मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सिर पर स्कार्फ, बुर्का पहनने वालों पर आपत्ति जताई है और कहा है कि यह भेदभाव उनके साथ किया जा रहा है. स्पेन में मुसलमानों के खिलाफ आंतरिक घृणा अपराध की घटनाएं इतनी ज्यादा हैं, इस बात का भी रिपोर्ट में जिक्र किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आप लोग जानते हैं कि पाकिस्तान का क्या हाल है, बांग्लादेश में क्या होता है, आप लोग जानते हैं कि अफगानिस्तान में सिखों, हिंदुओं, ईसाइयों के साथ क्या हुआ है, तिब्बत हो या म्यांमार, श्रीलंका हो या बांग्लादेश, पाकिस्तान हो या अफगानिस्तान, जुल्म हो तो क्या।

## भारत-पाक दुश्मनी का खामियाजा भुगत रहा जम्मू-कश्मीर, महबूबा मुफ्ती बोलीं- 1966 जैसा हमें करना होगा

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच दुश्मनी का खामियाजा जम्मू–कश्मीर को भुगतना पड़ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवादी घटनाओं को रोकने के लिए दोनों देशों के बीच सुलह ही एकमात्र तरीका है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर के लोग दोनों देशों की दुश्मनी में फंसे हुए हैं। उनका जीवन और उनकी संपत्ति नष्ट हो रही है क्योंकि दोनों देश एक–दूसरे से लड़ रहे हैं।

महबूबा ने बडगाम में संवाददाताओं से कहा कि जम्मू–कश्मीर को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है और गरीब गैर–स्थानीय मजदूरों को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। एक राष्ट्र–एक चुनाव पर पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि दुर्भाग्य से, एनडीए सरकार दिन–ब–दिन भारत के संविधान को नष्ट कर रही है। भारत एक संघीय देश है। यहां संघीय ढांचा है। एक राष्ट्र एक चुनाव इस संघीय ढांचे को कमजोर कर रहा है। उन्होंने कहा वे 2047 की बात करते हैं लेकिन आगे बढ़ने के बजाय वे पीछे जा रहे हैं। वे हमें वापस उसी तानाशाही की ओर ले जाना चाहते हैं, जो मेरे हिसाब से बहुत गलत है।

पीडीपी जनरल काउंसिल मीटिंग को संबोधित करते हुए पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि हमारे पास प्रस्ताव पारित करने के लिए बहुमत नहीं था। इसके बावजूद हमने बिना प्रस्ताव पारित किये स्वराज्य लागू कर दिया। स्व–शासन का अर्थ है कि जम्मू–कश्मीर में वास्तविक स्वतंत्रता होनी चाहिए। यहां मौजूद सभी प्रतिनिधियों को (कम सीटों को लेकर) चिंतित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह टेस्ट है। हम कभी बीजेपी में नहीं गए, उन्होंने अपने महासचिव को हमसे बातचीत करने के लिए भेजा। अगर हम जम्मू–कश्मीर को रेत से बाहर निकालना चाहते हैं, तो हमें ठीक उसी तरह काम करना होगा जैसे हमने 1966 में किया था।

## अल्लू अर्जुन केस पर बोले संजय कुमार, तेलंगाना सरकार की विफलताओं से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए अभिनेता की ऐसी गिरफ्तारी

एजेंसी / नयी दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने संध्या थिएटर में दुखद भगदड़ के सिलसिले में तेलुगु सिनेमा स्टार अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार करने के लिए शुक्रवार को कांग्रेस के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार की आलोचना की। एक आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट में कुमार ने कहा कि राज्य सरकार ने अपनी विफलताओं से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए अभिनेता की ऐसी गिरफ्तारी की है। कुमार ने तेलंगाना कांग्रेस सरकार की कार्रवाइयों को डिलीवरी पर नाटक, शासन पर ध्यान भटकाने वाला करार दिया और दावा किया कि राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता की गिरफ्तारी केवल सुर्खियाँ चुराने का एक प्रयास था। उन्होंने आगे कहा कि जबकि जिन लोगों ने कभी राज्य में कुशासन किया था और उन्हें लूटा था, वे खुलेआम घूम रहे हैं, उन्होंने सुर्खियां बटोरने के लिए एक राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता को गिरफ्तार कर लिया। सनसनीखेजवाद उनकी अक्षमता को नहीं छिपाएगा। पूरे देश ने कांग्रेस के हताश नाटक को देखा! अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी 4 दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में उनकी फिल्म पुष्पा 2रू द रूल के प्रीमियर के दौरान हुई दुखद भगदड़ के बाद हुई। अराजकता के कारण 35 वर्षीय रेवती की मौत हो गई और उसका बेटा घायल हो गया।

## किसानों ने दिन भर के लिए स्थगित किया दिल्ली मार्च, अब 16 दिसंबर को देशभर में करेंगे ट्रैक्टर मार्च

एजेंसी / चंडीगढ़। पंजाब के साथ राज्य की सीमा पर हरियाणा सुरक्षा कर्मियों द्वारा आंसू गैस की गोलाबारी में कुछ के घायल होने के बाद प्रदर्शनकारी किसानों ने शनिवार को दिल्ली तक अपना पैदल मार्च दिन भर के लिए स्थगित कर दिया। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि दोनों मंचों ने आज जत्था वापस लेने का फैसला किया है। सुनने में आ रहा है कि 17–18 लोग घायल हुए हैं। हम कुछ देर बाद पीसी करेंगे और आगे की कार्रवाई की जानकारी देंगे। सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि 16 दिसंबर को पंजाब के बाहर ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा और 18 दिसंबर को हमने पंजाब में रेल रोको का आह्वान किया है। हम सभी पंजाबियों से बड़ी संख्या में रेल रोको में भाग लेने की अपील करते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष को सिर्फ बयान देकर अपनी भूमिका से नहीं भागना चाहिए। उन्हें किसानों की मांगों को पूरा करने के एजेंडे पर प्रकाश डालना चाहिए। उन्हें रुकना चाहिए जैसे वे अन्य मुद्दों पर संसद को ठप कर रहे हैं, वैसे ही राहुल गांधी हमारे मुद्दे को संसद में नहीं उठा रहे हैं, जैसा उन्होंने हमें आश्वासन दिया था।

किसान नेता मंजीत सिंह राय ने आरोप लगाया कि सुरक्षाकर्मियों द्वारा रबर की गोलियों का भी इस्तेमाल किया गया और एक किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। राय ने कहा कि दोनों मंचों ने आज जत्थे को वापस बुलाने का फैसला किया है और बैठक के बाद अगली कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले आज, हरियाणा के सुरक्षाकर्मियों ने शंभू सीमा से दिल्ली की ओर मार्च करने का प्रयास कर रहे 101 किसानों के एक समूह को तितर–बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और पानी की बौछार की। उन्हें हरियाणा सुरक्षा कर्मियों द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स पर रोक दिया गया।पंढेर ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने किसानों को तितर–बितर करने के लिए ष्रासायनिक मिश्रित पानीष का इस्तेमाल किया और इस बार अधिक आंसू गैस के गोले छोड़े। पंधेर ने यह भी कहा कि संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे होने पर संसद में बहस चल रही है, लेकिन किसानों की आवाज कोई नहीं सुन रहा है। उन्होंने कहा कि संसद में किसानों के लिए कोई आवाज नहीं उठा रहा। यहां हम जानना चाहते हैं कि हमारे विरोध पर कौन सा संविधान लागू होता है। 101 किसानों का जत्था देश की कानून–व्यवस्था के लिए खतरा कैसे बन सकता है?

## एसडीएम व ईओ नगरपालिका द्वारा रैन बसेरा का किया गया निरीक्षण।

सुलतानपुर – बढ़ती ठंड को देखते हुए उप जिलाधिकारी सदर विपिन द्विवेदी व अधिशासी अधिकारी नगर पालिका लालचंद सरोज द्वारा रैन बसेरा का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान रजाई गद्दा एवं अलाव की

व्यवस्था का जायजा लिया। रैन बसेरा की उचित देखरेख के लिए चौकीदार को निर्देशित भी किया।

## संदिग्ध परिस्थितियों में पखवारे भर से लापता पंचायत सचिव का अभी तक नही लगा सुराग।

### बीत गए 15 दिन, नहीं लौटे पंचायत सचिव, अब घर वालों की टूटने लगी आस

### ’ 30 नवंबर को चेन्नई में मिली थी लास्ट लोकेशन, भदैया ब्लश्वक में तैनात है पंचायत सचिव नील कमल

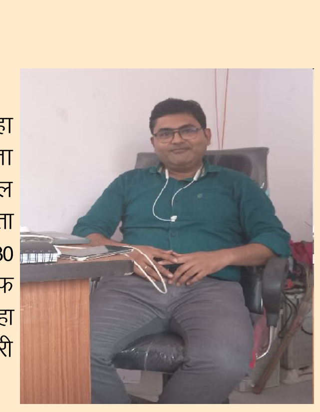

सुल्तानपुर। संदिग्ध परिस्थितियों में पखवारे भर से लापता पंचायत सचिव नील कमल का अभी तक सुराग नहीं लग सका है। लगातार 15 दिनों से उनका मोबाइल स्विच ऑफ जा रहा है। परिजनों से संपर्क टूटने से अनहोनी की आशंका बढ़ती जा रही हैं। बताया जाता है कि नील कमल की लास्ट लोकेशन चेन्नई में 30 नवंबर को मिली थी, उसके बाद से कुछ पता नहीं चल पा रहा है। परिवार वाले अब पुलिस प्रशासन से खोजबीन किए जाने की मांग कर रहे हैं। बताते चले कि मूलतरूगोसाईंगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत सैफुल्लागंज निवासी नील कमल कनौजिया भदैया ब्लॉक में पंचायत सचिव के पद पर कार्यरत हैं। वर्तमान में उनकी भदैया ब्लॉक के बालमपुर, सौराई, बोखरेपुर, कैंभा समेत करीब दर्जन भर ग्राम पंचायतों तैनाती है। बताया जाता है कि सचिव नील कमल सप्ताह 6 दिन की छुट्टी लेकर भुवनेश्वर चचेरी बहन की शादी में शामिल होने गए थे। शादी समारोह संपन्न होने के बाद 29 नवंबर को वह भुवनेश्वर से चेन्नई घूमने के लिए निकले थे, 30 नवम्बर को चेन्नई में उनकी लोकेशन भी मिली है। परंतु, उसके बाद से अचानक उनका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। जबकि 1 दिसंबर को उन्हें ड्यूटी ज्वाइन करनी थी, परंतु लगातार उनका मोबाइल स्विच ऑफ जा रहा है। आज तक किसी से कोई संपर्क नहीं हो सका है। नील कमल के भाई सुनील कुमार का कहना है कि काफी प्रयास के बाद कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है, कहाँ हैं कैसे हैं कुछ पता नहीं चल रहा है। घर वाले अनहोनी की आशंका से भयभीत हैं। उन्होंने ने बताया कि गोसाईंगंज थाने में तहरीर लेकर गए थे, वहां बताया गया कि जहां से गायब हुए हैं वही मुकदमा दर्ज होगा। इस बाबत जब गोसाईंगंज थाना प्रभारी अखिलेश सिंह ने बताया कि अभी उन्हें कोई तहरीर नहीं मिली है। उनसे सचिव के परिवार से कोई मिलने भी नहीं पहुंचा। तहरीर मिलने पर ही कुछ किया जा सकता है।

# पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 के कट आफ डेट पर उठते हुए सवालों का जवाब आखिर कौन देगा?

कमलेश पांडे ।

क्या आपको पता है कि प्रथम मुस्लिम आक्रांता मुहम्मद बिन कासिम ने 712 ई में भारत के सिंध प्रांत पर आक्रमण किया और काफी उत्पात मचाया। उसके बाद उसके अनुयायी यानी मुस्लिम आक्रमणकारी अपनी सुविधा के अनुसार भारत पर आक्रमण करते हुए आए, यहां के समृद्ध मंदिरों व बाजारों सहित प्रमुख जगहों पर लूटपाट मचाई और अपने भरोसेमंद लोगों के हाथों में यहाँ की सत्ता सौंप कर फिर वापस चले गए। जबकि बाद के इस्लामिक आक्रमणकारियों ने तो यही अपना डेरा जमा लिया और हमारी संस्कृति को तहस–नहस करने पर आमादा दिखे।फलस्वरूप लगभग 500 वर्षों के बाद 12वीं सदी तक भारत पूर्ण रूप से मुस्लिम राजाओं का गुलाम बन गया। उसके बाद तो यहाँ धार्मिक उत्पीड़न और धर्मांतरण का खुला खेल फरूखाबादी चलने लगा। काल प्रवाह वश विभिन्न हिन्दू मंदिर को तोड़कर मस्जिदों में बदल दिया गया। ऐसे में मुस्लिम और ब्रिटिश गुलामी से मुक्त हुए भारत और अपने हिस्से का भूखंड लेकर पाकिस्तान चले गए मुसलमानों से इतर सन 1947 में भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित किया जाता और अतिक्रमित मंदिरों के जीर्णोद्धार का अभियान चलाया जाता। लेकिन हुआ इसके बिल्कुल उल्टा! कारण नेहरू और इंदिरा सरकार की गलत और अप्रासंगिक नीतियां, जो बाद में उनके उत्तराधिकारियों ने भी जारी रखी।

इसे भी पढ़ेंरू अब मस्जिदों पर दावा नहीं कर पाएंगे हिंदू? जानिए किन–किन मामलों पर पड़ेगा फर्क, क्या मोदी सरकार उठाएंगी कोई बड़ा कदमवह यह कि अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की राजनीति वश कांग्रेस ने देश को धर्मनिरपेक्ष घोषित कर दिया और अल्पसंख्यक हितों को संरक्षित करने वाली कानून बनाने लगी। इससे ज्यादातर हिन्दू ठगे रह गए। उसके साथ ही सांप्रदायिक दंगे आसेतु हिमालय की नियति बन गई। सन 1947, इससे पहले और बाद के सांप्रदायिक दगों का चरित्र एक रहा और प्रशासनिक नीतियों का असमंजस भी। इसी ऊहापोह के बीच हिंदुओं में उपजी मंदिरों के वापसी की आकांक्षाओं ने उन्हें एकजूट कर दिया, जिसको कुचलने के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने प्लेसेज ऑफ वर्शिप (स्पेशल प्रोविजन) एक्ट, 1991 या उपासना स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991 को लागू किया गया।

**"बता दें कि यह भारत की संसद का एक अधिनियम है, जिसको 18 सितंबर, 1991 को पारित किया गया। यह अधिनियम 15 अगस्त 1947 तक अस्तित्व में आए हुए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को एक आस्था से दूसरे धर्म में परिवर्तित करने पर और किसी भी स्मारक के धार्मिक आधार पर रखरखाव पर रोक लगाता है।"**

बता दें कि यह भारत की संसद का एक अधिनियम है, जिसको 18 सितंबर, 1991 को पारित किया गया। यह अधिनियम 15 अगस्त 1947 तक अस्तित्व में आए हुए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को एक आस्था से दूसरे धर्म में परिवर्तित करने पर और किसी भी स्मारक के धार्मिक आधार पर रखरखाव पर रोक लगाता है। इससे लगभग 1800 उन हिन्दू मंदिरों के जीर्णोद्धार का सवाल दम तोड़ गया, जिसकी कब्र पर आज मस्जिदें लहलहा रही हैं। वहीं, मान्यता प्राप्त प्राचीन स्मारकों पर उक्त कानून की धाराएं लागू नहीं होंगी। लिहाजा, अब इसी कट ऑफ डेट पर सवाल उठ रहा हैहिंदुओं का सवाल यह कि कट ऑफ डेट 15 अगस्त 1947 ही क्यों? प्रथम मुस्लिम आक्रांता से जुड़ा वर्ष 712 ईस्वी क्यों नहीं? या फिर लगभग 1200 ई क्यों नहीं, जब दिल्ली सल्तनत अपनी पूरी हिन्दू विरोधी फितरत में दिखाई पड़ती थी? क्या सनातन भूमि को श्इस्लामिक भूमिश में तब्दील करने में हमारी संसद भी सिर्फ इसलिए दिलचस्पी लेने लगी, ताकि नेहरू–गांधी परिवार विशेष को खुश रखा जा सके।वहीं, सत्ता की गरज से आरएसएस भी वही भाषा बोल रहा है और कह रहा है कि सभी मस्जिदों में शिवलिंग खोजना गलत है। इससे बीजेपी को सियासी सहूलियत मिल रही है।लेकिन मूल मुद्दे से लोगों का ध्यान भटकाया जा रहा है। यदि आप कुछ पुस्तक और वेबसाइट पर नजर डालेंगे तो हिन्दू मंदिरों की अकाल मौत पर तथ्यात्मक विवरण उपलब्ध है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वर्ष 1990 में इतिहासकार सीता राम गोयल ने अन्य लेखकों अरुण शौरी, हर्ष नारायण, जय दुबाशी और राम स्वरूप के साथ मिलकर 'हिंदू टेम्पलरू व्हाट हैपन्ड टू देम' (भ्पदकन ज्मउचसमेरू ॅींज भ्ंचचमदमक ज्व जीमउ) नामक दो खंडों की किताब प्रकाशित की थी। उसमें गोयल ने 1800 से अधिक मुस्लिमों द्वारा बनाई गई इमारतों, मस्जिदों और विवादित ढाँचों का पता लगाया था, जो मौजूदा मंदिरोंध्या नष्ट किए गए मंदिरों की सामग्री का इस्तेमाल करके बनाए गए थे। कुतुब मीनार से लेकर विवादास्पद बाबरी मस्जिद, ज्ञानवापी विवादित ढाँचे, पिंजौर गार्डन और अन्य कई का उल्लेख इस किताब में मिलता है। इससे बाबरी मस्जिद मामले में ही हिंदुओं को न्यायालय के द्वारा न्याय मिली है, जबकि अन्य सारे सवाल अनुत्तरित हैं! इससे संसदीय भूमिका भी जनमानस के कठघरे में खड़ी है।

हैरत की बात यह है कि इस अधिनियम से उत्तर प्रदेश राज्य के अयोध्या में स्थित राम जन्म भूमि–बाबरी मस्जिद और उक्त स्थान या पूजा स्थल से संबंधित किसी भी वाद, अपील या अन्य कार्यवाही को तो मुक्त कर दिया गया था, जिसके लिए यह अधिनियम लागू नहीं होता है। हालांकि, वहां आया न्यायसम्मत आदेश हिंदुओं के पक्ष में आया और अब वहां भव्य राम मंदिर का निर्माण किया जा चुका है। लेकिन अब काशी, मथुरा, संभल, अजमेर शरीफ समेत उन लगभग 1800 अतिक्रमित मंदिरों पर अतिक्रमित मस्जिद को वैधता प्रदान कर दी गई, जो हिन्दू आस्था से खिलवाड़ नहीं तो क्या है? इसलिए इस पर सवाल उठना लाजिमी है।

इस अधिनियम ने स्पष्ट रूप से अयोध्या विवाद से संबंधित घटनाओं को वापस करने की अक्षमता को स्वीकार किया था। ध्यान रहे कि कथित बाबरी संरचना को ध्वस्त करने से पहले 1991 में तत्कालीन कांग्रेसी प्रधानमंत्री पी० वी० नरसिम्हा राव द्वारा उपर्युक्त कानून लाया गया था। जो जम्मू और कश्मीर राज्य को छोड़कर पूरे भारत में फैला हुआ है। हालांकि, किसी राज्य के लिए लागू होने वाले किसी भी कानून को वहां की विधानसभा द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए। लेकिन सवाल फिर वही कि तब मुस्लिम बहुल राज्य जम्मू–कश्मीर को इससे छूट क्यों दी गई थी?बता दें कि उपासना स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991 ने कहा कि सभी प्रावधान 11 जुलाई, 1991 को लागू होंगे। वहीं, धारा 3, 6 और 8 तुरंत लागू होंगे। धारा 3 में पूजा स्थलों का रूपांतरण भी होता है। 1991 के इस अधिनियम के तहत अपराध एक जेल की अवधि के साथ दंडनीय हैं जो तीन साल तक की सजा के साथ–साथ जुर्माना भी हो सकता है। वहीं, अपराध को जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 8 (खंड ष्जष के रूप में) में शामिल किया जाएगा, जिसके तहत चुनाव में उम्मीदवारों को अयोग्य ठहराने के उद्देश्य से उन्हें अधिनियम के तहत दो साल या उससे अधिक की सजा सुनाई जानी चाहिए।समझा जाता है कि पूजा स्थलों के परिवर्तन के संबंध में समय–समय पर उत्पन्न होने वाले विवादों को देखते हुए, यह महसूस किया गया है कि ऐसे परिवर्तन पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। वहीं,15 अगस्त, 1947 को अस्तित्व में रहे किसी पूजा स्थल के संबंध में किसी विवाद को समाप्त करने के लिए, ऐसे पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र को बनाए रखने के लिए प्रावधान करना आवश्यक समझा जाता है, जैसा कि वह 15 अगस्त, 1947 को अस्तित्व में था। इसके परिणामस्वरूप, ऐसे किसी भी पूजा स्थल के संबंध में 11 जुलाई, 1991 तक लंबित सभी मुकदमे या अन्य कार्यवाहियां समाप्त हो जाएंगी तथा आगे के मुकदमों या अन्य कार्यवाहियों पर रोक लगाई जा सकेगी। तथापि, चूंकि सामान्यतः राम जन्म भूमि–बाबरी मस्जिद कहे जाने वाले स्थान से संबंधित मामला अपने आप में एक वर्ग है, इसलिए इसे इस अधिनियम के प्रभाव से पूर्णतः छूट देना आवश्यक हो गया है।इसके अतिरिक्त, सांप्रदायिक सद्भाव और शांति बनाए रखने के लिए, 15 अगस्त, 1947 और 11 जुलाई, 1991 के बीच न्यायालयों, न्यायाधिकरणों या अन्य प्राधिकारियों द्वारा विनिश्चित किए गए मामले, या पक्षों द्वारा आपस में या सहमति से निपटाए गए मामले भी इस अधिनियम के प्रभाव से मुक्त हैं। वहीं, 11 जुलाई, 1991 को अधिनियम की प्रारंभ तिथि के रूप में प्रस्तावित किया गया है, क्योंकि उसी दिन राष्ट्रपति ने संसद को संबोधित करते हुए ऐसी घोषणा की थी। इस विधेयक का उद्देश्य उपर्युक्त उद्देश्यों को प्राप्त करना है।इसमें पूजा स्थल का तात्पर्य मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च, मठ या किसी भी धार्मिक संप्रदाय या उसके किसी भी अनुभाग का सार्वजनिक धार्मिक पूजा स्थल है, चाहे उसे किसी भी नाम से पुकारा जाए। वहीं, कोई भी व्यक्ति किसी धार्मिक संप्रदाय या उसके किसी खंड के पूजा स्थल को उसी धार्मिक संप्रदाय के किसी भिन्न खंड या किसी भिन्न धार्मिक संप्रदाय या उसके किसी खंड के पूजा स्थल में परिवर्तित नहीं करेगा।वहीं, कुछ पूजा स्थलों के धार्मिक चरित्र तथा न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र के निषेध आदि के संबंध में इसके द्वारा यह घोषित किया जा चुका है कि 15 अगस्त, 1947 को विद्यमान पूजा स्थल का धार्मिक स्वरूप वैसा ही बना रहेगा जैसा वह उस दिन था। वहीं, यदि इस अधिनियम के प्रारंभ पर 15 अगस्त, 1947 को विद्यमान किसी पूजा स्थल के धार्मिक स्वरूप के परिवर्तन के संबंध में कोई वाद, अपील या अन्य कार्यवाही किसी न्यायालय, न्यायाधिकरण या अन्य प्राधिकरण के समक्ष लंबित है, तो उसका उपशमन हो जाएगा और ऐसे प्रारंभ पर या उसके पश्चात् किसी ऐसे मामले के संबंध में कोई वाद, अपील या अन्य कार्यवाही किसी न्यायालय, न्यायाधिकरण या अन्य प्राधिकरण में नहीं होगी। परन्तु यदि कोई वाद, अपील या अन्य कार्यवाही, जो इस आधार पर संस्थित या दाखिल की गई है कि किसी ऐसे स्थान के धार्मिक स्वरूप में 15 अगस्त, 1947 के पश्चात् धर्म परिवर्तन हुआ है, इस अधिनियम के प्रारंभ पर लम्बित है, तो ऐसा वाद, अपील या अन्य कार्यवाही इस प्रकार उपशमित नहीं होगी और प्रत्येक ऐसे वाद, अपील या अन्य कार्यवाही का निपटारा उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

इस कानून के तहत निर्दिष्ट कोई पूजा स्थल जो प्राचीन और ऐतिहासिक स्मारक या पुरातात्विक स्थल है या प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्व स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 ( 1958 का 24 ) या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य कानून के अंतर्गत आता हैय या उपधारा में निर्दिष्ट किसी विषय के संबंध में कोई वाद, अपील या अन्य कार्यवाही, जो इस अधिनियम के प्रारंभ से पूर्व किसी न्यायालय, न्यायाधिकरण या अन्य प्राधिकरण द्वारा अंतिम रूप से विनिश्चित, निपटाई या निपटाई जा चुकी होय किसी ऐसे मामले के संबंध में कोई विवाद जो ऐसे प्रारंभ से पूर्व पक्षकारों द्वारा आपस में सुलझा लिया गया।

# सम्पादकीय

## एक और अफगानिस्तान बन सकता है सीरिया

सीरिया किसका होगा? वहां मची अफरातफरी का फायदा कौन–कौन उठाएगा? वहां की जमीन पर किसकी मर्जी चलेगी? ये कुछ सवाल हैं जिनका जवाब खोजने के लिए ज्ञानीजन, गुप्तचर संस्थाएं और पूरी दुनिया वहां के घटनाक्रम पर पैनी निगाहें रखे हुए हैं।इस टूटे–बिखरे देश की कुंडली में शायद यही सब लिखा है। यह देश अब स्वयं अपने लिए एक बोझ है। लेकिन सिर्फ अपना फायदा देखने वाली ताकतों के लिए यह एक जायजाद है, अपना प्रभुत्व कायम करने की जगह है। बशर अल–असद, जो सीरिया से भागकर मास्को पहुंच गए हैं, के अचानक तख्तापलट के बाद से सीरिया में कई स्थानों पर बमबारी हुई है। जाहिर है पश्चिम एशिया की इलाकाई ताकतें सीरिया में अपने हितों की रक्षा के लिए छीना–झपटी कर रही हैं। इजराइल, तुर्की और अमेरिका ने वहां हमले किये हैं और असद के पुराने दोस्त रूस और ईरान भी सीरिया के भविष्य के निर्धारण में अपनी भूमिका चाहते हैं।

जाहिर है आने वाले समय में जो चुनौतियाँ इस देश के सामने होंगी, उनसे पार पाना आसान नहीं होगा।

सीरिया पिछले कई दशकों से बर्बरता का शिकार रहा है। वहां के गृहयुद्ध में तीन लाख से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। सन् 2011 से अब तक करीब एक लाख लोग या तो लापता हो गए हैं या उन्हें गायब कर दिया गया है। वे अब कहां हैं दृ और कहीं हैं भी कि नहीं दृ इसका खौफनाक हिसाब–किताब अब शुरू होने वाला है। देश की करीब आधी आबादी (1.20 करोड़ लोग) अपने घर–बार छोडने पर मजबूर कर दिए गए। दसियों हजार बिना मुकदमों के जेलों में बंद हैं। उन्हें भीषण यातनाएं दी गईं हैं। अब जेलें धीरे–धीरे खाली हो रही हैं, और गुस्से और कड़वाहट से भरे, शरीर और मन से घायल और बदले की आग में जल रहे लोगों का सैलाब पहले से ही तहस–नहस समाज में वापिस लौट रहा है। तुर्की और जोर्डन में रह रहे दसियों लाख शरणार्थी बड़ी संख्या में वापिस आ सकते हैं। यूके और अन्य यूरोपीय देशों ने भी कहा है कि असद का राज समाप्त होने के बाद वे सीरियाईयों के शरण देने के आवेदनों पर आगे की कार्यवाही नहीं कर रहे हैं। आस्ट्रिया पहले से सीरियाईयों को वापिस भेजने का सिलसिला शुरू कर चुका है। मानवीय एवं सुरक्षा आपदा देश पर मंडरा रही है।

इस बीच एचटीएस के प्रमुख अबू मोहम्मद अल–जोलानी, जिसके अलकायदा से रिश्ते रहे हैं, और जो एक इनामी आतंकवादी से एक राष्ट्र का मुक्तिदाता बन गया हैं, ने भविष्य की अपनी योजनाओं की एक झलक पेश की है। दमिश्क की प्रसिद्ध उम्मेयाद मस्जिद में एक बड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सीरिया कड़ी मेहनत से श्इस्लामिक देशों के लिए एक प्रकाश स्तंभ बनेगाष।

उनके ये शब्द कान खड़े करने वाले हैं!

एचटीएस द्वारा 2016 में अलकायदा से संबंध तोड़ लेने के बाद से अबू मोहम्मद अल–जोलानी के नेतृत्व में इदलिब से दमिश्क तक हमलों का सिलसिला चला और इस दौरान संगठन की छवि एक मध्यमार्गी या कम कट्टर संगठन की बनाने का प्रयास किया गया। सीएनएन के साथ एक इंटरव्यू में अल–जोलानी ने कहा कि वे सीरिया के अल्पसंख्यकों का सम्मान करेंगे और यह भी कि किसी भी समूह को किसी अन्य समूह को नष्ट करने का अधिकार नहीं है। अल्लेपो से आ रही शुरूआती खबरों के मुताबिक शहर पर एक हफ्ते पहले हुए एचटीएस के कब्जे के बाद से वहां के ईसाई अल्पसंख्यकों को किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा है।

मगर सवाल यह है कि जोलानी किस तरह के इस्लामिक राष्ट्र की बात कर कर रहे हैं?

अमेरिका, रूस और संयुक्त राष्ट्रसंघ दृ सभी जोलानी को आतंकवादी और एचटीएस को आतंकी संगठन मानते हैं। इसलिए यदि सत्ता पर उनका कब्जा हो जाता है तो जटिल हालात बन जाएंगे। तुर्की और कतर से उनके नजदीकी रिश्तों से अरब देशों में नाराजगी है क्योंकि वे नहीं चाहते कि सीरिया में तुर्की और कतर का प्रभाव बढ़े। कई जानकारों का मानना है कि जोलानी दूसरा असद बन सकते हैं और दूर तक सोचने वाले सीरिया के नागरिकों को भी यह चिंता है कि कहीं एक तानाशाह की जगह दूसरा तानाशाह न ले ले। बस फर्क सिर्फ इतना होगा कि नया तानाशाह इस्लामवादी होगा।कुल मिलाकर माहौल में बहुत घबराहट है।इंटरव्यू में जोलानी के नरम रूख से ऐसा लगता है कि सीरिया में उनके नेतृत्व में बेहतरी की ओर बदलाव हो सकता है। लेकिन शक की गुंजाईश तो है। श्इस्लामिक देशश् का नारा बुलंद करने और अलकायदा से उसके पुराने संबंधों के चलते एचटीएस तालिबान का सीरियाई संस्करण भी बन सकता है।

हालांकि फिलहाल बहुत से सीरियाई एचटीएस के झंडे तले एकत्रित हो रहे हैं।लेकिन समस्या यही नहीं है। सीरिया में कई दूसरे विद्रोही समूह भी हैं, जिनके इरादे और सरोकार बहुत अलग हैं। और वे भी आपदा में अवसर तलाश रहे हैं। सबसे कठिन काम इन समूहों से जोलानी का नेतृत्व स्वीकार करवाना होगा। खबरों के मुताबिक पिछले कई सालों में जोलानी जितना राष्ट्रपति असद के खिलाफ भिड़े, उससे ज्यादा उनकी भिडंत इन समूहों से हुई।युद्ध की शुरूआत से लेकर अब तक सीरिया में हुए घटनाक्रम के जड़ में है बर्बादी लाने वाला विदेशी हस्तक्षेप। और यह आगे के लिए भी बड़ा खतरा है। असद की सेना के भागने के कुछ ही घंटों बाद जमल अल–शाहयाक, जो हरमोन पर्वत श्रंखला की सबसे ऊंची चोटी है, पर स्थित निगरानी चौकी पर इजराइली कमांडो के एक दस्ते ने कब्जा कर लिया है

# बांग्लादेश मामले में कूटनीति व राजनीति पर एक कदम आगे निकली ममता बनर्जी

जगदीश यादव

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर केंद्र की भाजपा नीत सरकार के द्वारा अल्पसंख्यकों को लेकर तुष्टीकरण से लेकर बंगाल में बांग्लादेशियों को शरण देने का आरोप लगाया जाता रहा है। लेकिन इन दिनों बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं और मीडिया में उक्त खबरें हर रोज आ रही है। ऐसे में भले ही देश के पीएम नरेंद्र मोदी का उक्त मुद्दे पर कोई बयान नहीं आया है लेकिन ममता बनर्जी ने सशक्त तौर पर इस अंतरराष्ट्रीय मुद्दे को उठाया है और बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार को नाकाम तक करार दिया है। ममता बनर्जी ने बांग्लादेश से उपजे एक बयान का जवाब देते हुए साफ कहा कि, अगर वह लोग बिहार, बंगाल ओडिशा जैसे हमारे देश के राज्यों पर कब्जे की बात करेंगे तो वह बैठकर लॉलीपॉप नहीं चूसेगी। साथ ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बेहद गंभीर और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बात कही। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज राज्य विधानसभा में कहा कि, बांग्लादेश के हालात पर यूएन हस्तक्षेप करे और वहां विशेष शांति सेना भेजे।

भारत हमेशा से विश्व में शांति का प्रतीक रहा है। ममता बनर्जी ने कहा कि इस समय बांग्लादेश में टकराव का माहौल बन गया है। इसे निपटाने के लिए अंतरिम युनुस सरकार नाकाम नजर आती है। ऐसे में शांति सेना भेजकर वहां पर शांति स्थापित की जाए। ममता बनर्जी ने उक्त अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर मोदी सरकार के साथ खड़े होने की बात करते हुए यह साबित कर दिया है कि वह राजनीति से लेकर कूटनीति के मामलों में एक सफल नेता हैं और उन्हें पता है कि कब क्या करना चाहिए। साथ ही तृणमूल प्रमुख ने समाज को यह भी संदेश दिया कि, कुछ लोग आपसी सद्भावना को खराब कर सकते हैं ऐसे में शांति और सूझबूझ से काम लेना चाहिए। देखा जाए तो बांग्लादेश के मामले पर मोदी सरकार से हिंदू समाज जिस तरह की प्रतिक्रिया की उम्मीद कर रहा था वह नहीं दिखा। यह अलग बात है कि पीएम भले ही सामने नहीं आए हों लेकिन केन्द्र ने बंग्लादेश को संकेत में बता दिया है कि मामले पर भारत की आंखें बंद नहीं है। जबकि आरएसएस ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता जाहिर की है। साथ केंद्र सरकार से सख्त कदम उठाने की अपील की है। कांग्रेस ने भी मुद्दे पर अपना पक्ष सामने रख दिया है। लेकिन देखा जाए तो बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर बंगाल की सीएम ममता बनर्जी राजनीति से लेकर कूटनीति के मामलों में एक कदम आगे निकल गईं है।

ममता बनर्जी जब सांसद थी तब भी बंगाल में वाममोर्चा के शासन के दौरान बंगाल में अवैध बांग्लादेशियों का मुद्दा उठा चुकी है। लेकिन ममता बनर्जी की सरकार बनने के बाद भी बंगाल में अवैध बांग्लादेशियों का मुद्दा उठता रहा है। वैसे देखा जाए तो भाजपा के केन्द्रीय नेताओं के मुकाबले में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार के मामले पर बंगाल भाजपा के नेता भी लगभग मौन ही है। लेकिन बंगाल में नेता प्रतिपक्ष व भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी जोरदार तौर पर उक्त मामले पर विरोध व्यक्त कर रहें हैं और बांग्लादेश को चेता भी रहे है। हलांकि अब जाकर बांग्लादेश ने यह माना कि शेख हसीना सरकार के अपदस्थ होने के बाद देश में अल्पसंख्यकों विशेषकर हिंदुओं पर हिंसा की 88 घटनाएं हुई हैं। अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने कहा कि, इन घटनाओं में 70 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पांच अगस्त से 22 अक्टूबर के दौरान अल्पसंख्यकों से संबंधित घटनाओं को लेकर कुल 88 मामले दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि मामलें और गिरफ्तारियां और बढ़ सकती है, क्योंकि कई क्षेत्रों में हिंसा की नई घटनाएं सामने आई हैं। देखा जाए तो दरअसल, बांग्लादेश में हो रहे अल्पसंख्य हिन्दू उत्पीड़न कोई नई बात नहीं हैं। वहां कोई भी सरकार हो निशाने पर हिन्दू महेशा रहे है। बात बांग्लादेश में तत्कालीन घटना की करें तो इस्कॉन के संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास के गिरफ्तारी से शुरु हुई। पहले इन्हें राष्ट्रद्रोह के आरोप मे फिर इनके सहयोगियों को हिरासत में लिया गया है। यहां तक कि जेल में इन साधुओं को बाहर से भोजन उपलब्ध कराने के नाते भी गिरफ्तारियां हुई है, क्योंकि अपने भोजन संबंधित नियमों के नाते ये कुछ भी और कही का भी खाना नहीं खा सकते हैं। फिर जब हिन्दू समाज ने विरोध शुरु किया तो उनके उपर हमलें शुरु हो गए और हिंदू समुदाय को आज वहां यातना झेलनी पड़ रही है। बहरहाल दो देशों को सामने रख कर अगर सरल शब्दों में राजनीति व कूटनीति की बात करे तो कहा जा सकता है कि राजनीति में कब क्या बदल जाए कोई कह नहीं सकता। यहां कुछ भी दावे के साथ स्थायी नहीं होता है। लेकिन कूटनीति की बात करे तो कहा जा सकता है कि जब बात देश व उससे जुड़े लोग और मुद्दों की बात हो तो वहां राजनीति नहीं की जा सकती बरन वहां कूटनीति ज्यादतर कारगर होती है। देखा जाए तो उपरोक्त मुद्दे पर ममता बनर्जी एक कदम आगे निकली दिख रहीं है।

**भारत हमेशा से विश्व में शांति का प्रतीक रहा है। ममता बनर्जी ने कहा कि इस समय बांग्लादेश में टकराव का माहौल बन गया है। इसे निपटाने के लिए अंतरिम युनुस सरकार नाकाम नजर आती है। ऐसे में शांति सेना भेजकर वहां पर शांति स्थापित की जाए।**

# ऊर्जा का सदुपयोग करें, नये स्रोत तलाशें

हमारे जीवन में प्रतिदिन के विभिन्न कार्यो के संचालन के लिए ऊर्जा अत्यंत महत्वपूर्ण साधन है। दुनिया की अर्थव्यवस्था में वृद्धि के साथ–साथ प्रतिवर्ष ऊर्जा की मांग भी बढ़ती जा रही है। हम प्रतिदिन विभिन्न रूपों में ऊर्जा का उपयोग करते हैं। अतः भविष्य में ऊर्जा की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसका संरक्षण आवश्यक है। ऊर्जा संरक्षण से तात्पर्य विभिन उपायों के माध्यम से ऊर्जा का संरक्षण करना है। ऊर्जा संरक्षण के अंतर्गत विभिन कार्यो के माध्यम से ऊर्जा का उपयोग इस प्रकार किया जाता है जिससे वर्तमान की आवश्यकता की पूर्ति के साथ भविष्य की जरूरतें भी पूरी हो सकें। ऊर्जा संरक्षण से तात्पर्य ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग है। इसका अर्थ है ऊर्जा का अनावश्यक उपयोग न करना एवं कम से कम ऊर्जा का उपयोग करते हुए कार्य करना।

भारत एक ऐसा देश है जहां पूरे साल सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा का इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में साल भर में लगभग 310 दिनों तक तेज धूप खिली रहती है। भारत भाग्यशाली देश है जिसके पास सौर ऊर्जा के लिए खिली धूप की उपलब्धता, पर्याप्त मात्रा में भूमि की उपलब्धता, परमाणु ऊर्जा के लिए थोरियम का अथाह भंडार तथा पवन ऊर्जा के लिए लंबा समुद्री किनारा नैसर्गिक संसाधन के तौर पर उपलब्ध है। जरूरत है तो बस उचित प्रौद्योगिकी का विकास तथा संसाधनों का उपयोग करने की।देश की ऊर्जा की मांग और आपूर्ति में बहुत बड़ा अन्तर है। देश में बिजली संकट लगातार गहराता जा रहा है। अगर इस समय बिजली संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया तो यह भारत के विकास के लिए बड़ा अभिशाप सिद्ध हो सकता है क्योंकि किसी भी देश की तरक्की का रास्ता ऊर्जा से ही होकर जाता है। सरकार को अब वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर गंभीरता से विचार करते हुए ऊर्जा बचत के लिए जरूरी उपाय अपनाने पड़ेंगे। इस मायने में सूर्य से प्राप्त सौर ऊर्जा अत्यंत महत्वपूर्ण विकल्प है।

भारत में 31 मार्च 2023 तक स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 416,059 मेगावाट थी जिसमें जीवाश्म ईंधन से 237,269 मेगावाट अथवा 57 प्रतिशत तथा गैर–जीवाश्म ईंधन से 178,790 मेगावाट अथवा 43 प्रतिशत शामिल। देश में कोयले से 205,235 मेगावाट अथवा 49.3 प्रतिशत, लिग्नाइट से 6620 मेगावाट, हाइड्रोपावर (पनबिजली) से 46,850 मेगावाट यानि कुल क्षमता का 11.3 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस का योगदान 24,824 मेगावाट यानि क्षमता का महज 6 प्रतिशत और परमाणु ऊर्जा से 6780 मेगावाट, सौर उर्जा से 66,780 मेगावाट यानि 16.1 प्रतिशत, डीजल से 589 मेगावाट यानि 0.1 प्रतिशत, हवा से 42,633 मेगावाट यानि 10.2 प्रतिशत, बायो मास पावरध्कोजेन से 10,248 मेगावाट, अपशिष्ट से 554 मेगावाट, लघु हाइड्रो से 4944 मेगावाट, नाभिकीय से 6780 मेगावाट बिजली उत्पन्न होती है। देश के सभी घरों तक 24 घंटे बिजली पहुंचाने के लिए मौजूदा क्षमता कम पड़ेगी। इसके लिए वर्तमान क्षमता से कम से कम 30 फीसदी अधिक बिजली की जरूरत होगी। इसके लिये देश में पावर प्लांटों में 100 फीसदी बिजली उत्पादन करना होगा। बिजली आज पूरी दुनिया की सबसे अहम जरूरत बन गयी है। बिजली के बिना कोई भी देश तरक्की नहीं कर सकता है। थोड़े से समय के लिए बिजली चली जाने पर हमारे अधिकतर काम रूक जाते हैं। बिजली हमारे जनजीवन का कब मुख्य हिस्सा बन गयी, हमें पता ही नहीं चल पाया। आज हमारा पूरा जनजीवन बिजली से जुड़ा हुआ है। बिजली का उत्पादन मशीनों से किया जाता है। ऐसे में हमें हर हाल में बिजली का दुरूपयोग नहीं करना चाहिये।

सौर ऊर्जा प्रदूषण रहित, निर्बाध गति से मिलने वाला सबसे सुरक्षित ऊर्जा स्रोत है। भारत में सौर ऊर्जा लगभग बारह महिने उपलब्ध है। सौर ऊर्जा को और अधिक उन्नत करने के लिए हमें अपने संसाधनों का उपयोग करना चाहिए। ऊर्जा के मामले में अधिक समय तक दूसरों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता है। ऊर्जा के क्षेत्र में हमें अपनी तकनीक और संसाधनों का उपयोग कर आत्मनिर्भरता हासिल करनी ही होगा। यह दुख का विषय है कि बहुत लम्बे समय तक हमने सौर ऊर्जा के उत्पादन व उपयोग पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। हमारे देश की परिस्थितियां विषम होने के कारण हमें सभी उपलब्ध ऊर्जा विकल्पों पर विचार करना होगा। इसके साथ ही ऊर्जा संरक्षण के व्यावहारिक कदमों को अपनाना होगा ताकि बड़े पैमाने पर बिजली की बचत हो सके।हमारे देश में ऊर्जा की मांग तीव्रगति से बढ़ रही है लेकिन उत्पादन में खपत की तुलना में बढ़ोत्तरी नहीं हो पा रही है। देश में चल रही पुरानी बिजली परियोजनाएं कभी पूरा उत्पादन नहीं कर पाई हैं। नई स्थापित होने वाली परियोजनाओं के लिए स्थितियां अनुकूल नहीं होती हैं। देश में बिजली के इस संकट को अगर अभी समय रहते दूर नहीं किया गया तो आने वाले समय में गंभीर संकट का सामना करना होगा। दुर्भाग्यवश हमारे देश में खनिज, पेट्रोलियम, गैस, उत्तम गुणवत्ता के कोयला जैसे प्राकृतिक संसाधन बहुत सीमित मात्रा में ही उपलब्ध हैं।

# वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

गोरखपुर।

गायघाट स्थित एनपीए सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 6 दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ वार्ड नंबर 39 के पार्षद केसी यादव ने फीता काटकर, दीप प्रज्वलित कर और एयर बैलून उड़ाकर किया। विद्यालय के निदेशक विनोद कुमार सिंह ने मशाल जलाकर छात्रों को खेल भावना, शांति और मित्रता का संदेश दिया। प्रतियोगिता का संचालन प्रधानाचार्या पूनम सिंह के नेतृत्व में किया गया। इसमें कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के छात्रों ने 100 मीटर रेस, ऊंची कूद, खो–खो, तीरंदाजी, बैलून रेस और रिंग रेस सहित विभिन्न खेलों में हिस्सा लिया। प्री–प्राइमरी वर्ग के बच्चों ने चीयर ड्रिल, प्राइमरी वर्ग ने अंब्रेला ड्रिल और अपर प्राइमरी वर्ग ने स्टिक ड्रिल का प्रदर्शन किया। इसे तैयार कराने में विद्यालय की अध्यापक मुस्कान खातून, मंजू सिंह, प्रिया पांडेय, सुदीपा लता पांडेय, वंदना तिवारी समेत अन्य शिक्षकों ने योगदान दिया। प्रतियोगिता का समापन 26 जनवरी 2025 को पुरस्कार वितरण के साथ होगा।

## कोर्ट मैरिज के बाद पति का मोबाइल बंद, पत्नी ने थाने में किया हंगामा

सहजनवा।गीडा थाना क्षेत्र के एक गांव में प्रेमी युगल ने चार महीने पहले कोर्ट में शादी की थी। शादी के बाद पत्नी मायके चली गई थी। कुछ दिनों से पति का मोबाइल बंद होने से पत्नी नाराज थी और अपनी मां के साथ थाने पहुंचकर हंगामा करने लगी। महिला ने पति का मोबाइल चालू करवाने और उसके साथ घर जाने की जिद की। पुलिस ने युवक की मां को बुलाकर मामले की सुलह करवाई। दोनों पक्षों के सहमति से तय हुआ कि तीन महीने बाद रीति–रिवाज से शादी कर युवती को ससुराल ले जाया जाएगा। प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया है।

## चिकन खाने से फूड प्वाइजनिंग, दुकानदार ने दी धमकी

सहजनवा।हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के कटसहरा बाजार में एक चिकन शॉप से चिकन खरीदकर खाने के बाद रामनगर सुरस निवासी सच्चितानंद राय और उनके परिवार के अन्य सदस्य फूड प्वाइजनिंग के शिकार हो गए। शिकायत लेकर जब वह दुकानदार के पास गए, तो उसने गाली–गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। सच्चितानंद राय ने दुकानदार के खिलाफ हरपुर बुदहट थाने में तहरीर दी है। इस संबंध में थाना प्रभारी महेश कुमार चौबे ने बताया कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

## दुष्कर्म पीड़िता दर-दर भटक रही, नहीं मिल रहा न्याय

गोरखपुर।हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के एक गांव में जुलाई माह में दिनदहाड़े एक महिला के साथ असलहे के बल पर दुष्कर्म का मामला सामने आया था। पीड़िता की शिकायत पर स्थानीय पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया, जिसके बाद महिला ने कोर्ट का सहारा लिया। कोर्ट के आदेश पर मुकदमा तो दर्ज कर लिया गया, लेकिन आरोपियों की अब तक गिरफ्तारी नहीं हुई। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपी उसे सुलह करने और धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। महिला ने न्याय की गुहार लगाते हुए क्षेत्राधिकारी गीडा को प्रार्थना पत्र सौंपा। पीड़िता ने जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

## सीएचएस स्कूल आमकोल के बच्चों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

चौरीचौरा गोरखपुर। जिला अस्पताल की टीम ने सरदारनगर स्थित सेंट्रल हिन्दू स्कूल आमकोल में पहुंच कर बच्चों व शिक्षकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें निशुल्क दवा का वितरण किया गया।

स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर बशिष्ट ओझा के नेतृत्व में आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर 140 बच्चों, 16 शिक्षक, गाड़ी चालक, मालीवव आसपास के लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम डॉक्टर जितेश कुमार, फार्मासिस्ट रविश चंद्र, लैब टेक्नीशियन देवेंद्र शुक्ला, नर्स मानसी यादव ने ब्लड, शुगर, यूरिन, अस्थमा, सांस, सर्दी, जुकाम आदि की जांच किया। इसके बाद सभी को निशुल्क दवा दिया और ठंड के मौसम में बचाव के लिए टिप्स दिया। जिला अस्पताल की टीम गांव गांव में ओपीडी कर रही है। उसी के क्रम में सीएचएस स्कूल में भी शिविर लगाया गया। इस दौरान प्रधानाचार्य एस त्रिपाठी, मोहित शर्मा, प्रभुनाथ चौरसिया, अवनीश दुबे, शांति यादव, पी एन यादव, सोनी मौर्या, रुदल आदि लोगों ने सहयोग किया।

## कम्पोजिट विद्यालय बगहा मठिया में मिशन शक्ति और सड़क सुरक्षा अभियान का आयोजन

देवरिया, बांसगांव संदेशरू सदर विकासखंड के कम्पोजिट विद्यालय बगहा मठिया में मिशन शक्ति फेज–5 और सड़क सुरक्षा अभियान 2024 का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि रेखा देवी, सब इंस्पेक्टर (एसपी ऑफिस), ने बच्चों को मिशन शक्ति, नारी सुरक्षा, ऑपरेशन जागृति, बालिकाओं के अधिकार, सरकारी योजनाओं, और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक अनिल कुमार राय ने बच्चों को सड़क सुरक्षा के महत्व और ट्रैफिक नियमों के पालन की अहमियत समझाई। रेखा देवी ने विद्यालय की खो–खो जिला चौंपियन टीम को शैक्षिक सामग्री देकर सम्मानित किया। पूर्व रसोईया सुदामा खरवार और संरक्षक रामवृक्ष गिरी को शाल देकर सम्मानित किया गया। वरिष्ठ शिक्षिका इंद्रावती देवी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन स्वाति सिंह ने किया। इस अवसर पर अनुपमा पटेल, आरक्षी बागेश्वरी यादव, अर्चना कुमारी सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं। इस आयोजन ने बच्चों को नारी और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

## थाना समाधान दिवस का आयोजनरू देवरिया में पुलिस और राजस्व विभाग ने जनसमस्याओं का निस्तारण किया

देवरिया, बांसगांव संदेशरू जिले के सभी थानों पर श्थाना समाधान दिवसश का आयोजन हुआ। पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने थाना सुरौली में जनसमस्याएं सुनीं, जहां 7 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इनमें से 3 का समाधान मौके पर किया गया। अपर जिलाधिकारी प्रशासन गौरव श्रीवास्तव और अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी दीपेन्द्र नाथ चौधरी ने थाना तरकुलवा में 14 प्रार्थना पत्रों में से 5 का निस्तारण किया। अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी सुनील कुमार सिंह ने थाना बरहज में 9 में से 3 प्रार्थना पत्रों का समाधान किया। सम्पूर्ण जिले में कुल 150 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 55 का समाधान किया गया। इस पहल से जनता को समस्याओं का त्वरित समाधान मिला।

## देवरिया पुलिस की प्रभावी पैरवी से हत्या के अभियुक्तको सजा

देवरिया, बांसगांव संदेशरू थाना भाटपाररानी में पंजीकृत हत्या के एक मामले में अभियुक्त वीरन राय को 8 वर्ष के सश्रम कारावास और 1000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई। अभियुक्त को धारा 302 और 504 के तहत दोषी ठहराया गया। यह फैसला न्यायालय ने ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत पुलिस की प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप सुनाया।

# आनलाइन आवेदन पत्रों को लम्बित न छोडे शिक्षण संस्थान

## -अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण समिति की हुई बैठक

अयोध्या(एजेंसी)। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह के निर्देश के क्रम में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व महेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्त योजनान्तर्गत जनपद स्तर गठित समिति अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत की गयी। बैठक में जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी द्वारा कक्षा 11–12 स्तर पर प्रोफाइल अपडेट किये जाने सम्बन्धी एवं कक्षा 11–12 के उपर की संस्थाओं के द्वारा मास्टर डाटा लॉक करने की प्रक्रिया एवं लम्बित प्रकरणों पर विस्तार से चर्चा की गयी। छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत कक्षा 9–10, कक्षा 11–12 एवं उसके उपर की कक्षाओ में छात्रध्छात्राओं द्वारा लगातार आवेदन किया जा रहा है, परन्तु शिक्षण संस्थानों के स्तर पर उन आवेदन पत्रों को अग्रसारित नही किया जा रहा है जिसके कारण काफी अधिक संख्या में आनलाइन आवेदन पत्र लम्बित पड़े है। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि सभी शिक्षण संस्थान अपने स्तर आनलाइन आवेदन पत्रों को लम्बित न छोडे। उनके सापेक्ष नियमानुसार कार्यवाही करते हुए ससमय अग्रसारितध्निरस्त करना सुनिश्चित करें। उक्त योजना सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा में सम्मिलित किया जाना प्रस्तावित हैं के सम्बन्ध मे निर्देशित किया गया कि सभी शिक्षण संस्थाए अपने पोर्टल पर लम्बित ऑनलाइन आवेदन पत्रों की समीक्षा तत्काल करते हुए उनका निस्तारण सुनिश्चित करे। जिससे कि सीएम डैश बोर्ड पर रैकिंग नकारात्मक रूप से प्रभावित न हो। जनपद में उक्त योजनान्तर्गत सभी पात्र छात्रध्छात्राओं द्वारा आनलाइन आवेदन कराने के सम्बन्ध में अपर जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी शिक्षण संस्थाओं के कक्षाध्यापक की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाये एवं इसके सम्बन्ध में इस आशय का प्रमाण पत्र संस्था के प्रमुख द्वारा उनसे प्राप्त किया जाय। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जनपद में स्थिति राजकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्य, डा. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि, आईटीआई एवं पालीटेक्निक संस्थानो के प्रतिनिधि एवं अन्य सभी सम्बन्धित संस्थानो के प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे।

# आर्थिक एवं सामाजिक विकास में एमएसएमई महत्वपूण: प्रो. हिमांशु शेखर

## -अविवि में प्रबंध विकास कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया

अयोध्या(एजेंसी)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग द्वारा आयोजित 'प्रबंध विकास कार्यक्रम' के तहत प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। इस सम्मान समारोह में एमबीए विभागाध्यक्ष और वाणिज्य संकायायक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, एमएसएमई संयुक्त निदेशक विष्णु कुमार वर्मा एवं सहायक निदेशक अविनाश कुमार अपूर्व व अन्य की उपस्थिति में प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और उद्यम (एमएसएमई) छोटे एवं मध्यम स्तर के व्यवसाय से जुड़ा है। इनका संचालन प्रबंधन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा किया जाता है। यह भारत के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि व्यापार प्रबंधन और उद्यमिता के क्षेत्र में निरंतर शिक्षा और कौशल आवश्यक है, ताकि बदलती हुई व्यावसायिक दुनिया में हम प्रतिस्पर्धी बन सके। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विष्णु कुमार वर्मा ने बताया कि छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यंत ही लाभकारी होते है। विद्यार्थियों में उद्यम बनने का सपना साकार होता हैं। उन्होंने कहा कि एमएसएमई सेक्टर सिर्फ रोजगार ही पैदा नही करता है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में भी सहायक होते है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अविनाश कुमार अपूर्व ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में छोटे व मध्यम व्यवसायों का बड़ा योगदान है। सरकार द्वारा युवाओं के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है। समारोह का संचालन डॉ. आशुतोष कुमार पांडेय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राकेश कुमार द्वारा किया गया। इस समारोह में डॉ. दीपा सिंह, डॉ. अनुराग तिवारी, डॉ. रामजी सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

# राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आज

अयोध्या(एजेंसी)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं माननीय उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के पत्र के अनुपालन में राष्ट्रीय लोक अदालत 14 दिसम्बर को सफल बनाये जाने के उद्देश्य से रणंजय कुमार वर्मा जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अयोध्या की अध्यक्षता में एवं अनिल कुमार वर्मा, अपर जिला जजध्सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अयोध्या के देख–रेख में जनपद न्यायालय परिसर, अयोध्या में किया जा रहा हैं। राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को आपसी सुलह समझौते के आधार पर प्रि–लिटिगेशन वाद धारा 138 पराक्राम्य लिखात अधिनियम (एनआईऐक्ट), बैंक वसूली वाद, श्रम विवाद वाद, विद्युत एवं जलवाद बिल (अशमनीय छोड़ कर, अन्य (आपराधिक शमनीय, पारिवारिक एवं अन्य व्यवहार वाद) न्यायालय में लम्बित वाद (जो नेशनल जुडीशियल डाटा ग्रिड पर प्रदर्शित हो) आपराधिक शमनीय वाद, धारा–138 पराक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआईऐक्ट), बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाएँ, श्रम विवाद वाद,, विद्युत एंव जलवाद बिल (अशमनीय छोड़कर), पारिवारिक विवाद, भूमि अधिग्रहण वाद, सर्विस मैटर से संबन्धित वेतन, भत्ता और सेवानिवृत्ति लाभ के मामले। राजस्व वाद, जो जनपद न्यायालय और उच्च न्यायालय में लम्बित हों। अन्य सिविल वाद (किरायेदारी, सुखाधिकार, निषेधाज्ञा वाद विशिष्ट अनुतोष वाद) आदि आपसी सुलह समझौते के आधार निस्तारित कराया जा सकता है, जिससे आम जनमानस को राष्ट्रीय लोक अदालत द्वारा लाभान्वित हो सके।इसी क्रम में अपर जनपद न्यायाधीशध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अयोध्या के तत्वाधान में 14 दिसम्बर को दीवानी न्यायालय परिसर, अयोध्या में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है, जिसका शुभारम्भ जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रणंजय कुमार वर्मा द्वारा प्रातः 10 बजे 24 कक्षीय भवन के मीटिंग हाल में माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया जायेगा। जिला सूचना अधिकारी अयोध्या संतोष कुमार द्विवेदी ने सभी प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बंधुओं से उक्त कार्यक्रम में कवरेज करने की अपील की है।

# अवैध कब्जा को लेकर ब्रहमबाबा मंदिर सेवा समिति ने किया धरना प्रदर्शन

## -उपजिलाधिकारी सदर को सौंपा आठ सूत्रीय ज्ञापन

मसौधा–अयोध्या(एजेंसी)। विकासखंड मसौधा कार्यालय से महज एक किलोमीटर की दूरी पर प्रयागराज हाईवे पर पूरे हुसैन खान में स्थित सिद्ध पीठ ब्रहमबाबा स्थान पर अवैध कब्जे एवं पूर्व में पुजारी के कमरे का ताला तोड़कर हुई चोरी के मामले में रिपोर्ट दर्ज न होने से नाराज ब्रहमबाबा मंदिर सेवा समिति के सदस्यों एवं पदाधिकारी ने शुक्रवार को सदर तहसील कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया और 8 सूत्रीय ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपकर कार्यवाही की मांग की है। शुक्रवार को ब्रहमबाबा मंदिर समिति अध्यक्ष रामदास की अगुवाई में सदर तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन किया गया। इसके उपरांत 8 सूत्रीय ज्ञापन यूपी जिला अधिकारी को सौंपा गया। दिए गए ज्ञापन के अनुसार पुजारी अंनिल दास को पुनः महंत नियुक्त की जाने की मांग की गई है और पूर्व में महंत के कमरे का ताला तोड़कर की गई चोरी के मामले में प्राथमिक की दर्ज कराए जाने की मांग भी की गई है। वहीं पौराणिक स्थल की जमीन पर दबंगों द्वारा बालू गिरकर अवैध कब्जा किया गया है जिसे हटाने की मांग की समेत 8 सूत्रीय ज्ञापन उपजिलाधिकारी सदर को सौंप कर कार्यवाही की मांग की है। इस मौके पर मंदिर समिति के अध्यक्ष रामदास, पुजारी अनिल दास, अजय कुमार, अनिल कुमार, राजकुमार आदि मौजूद रहे।

# मुसहर समाज के आवास बनवाने में दबंग डाल रहे रोड़ा

## 'कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी से लगाई गुहार

मीरजापुर(एजेंसी)। मुफलिसी के दौर से गुजरते हुए आएं मुसहर समाज को आज भी अपने हक अधिकारों के लिए जद्दोजहद करना पड़ रहा है। अपनी दीन–हीन दशा के बीच यह आज भी कड़ी मशक्कत के बाद दो वक्त की रोटी का इंतजाम कर पाते हैं। रहने के लिए आवास के नाम पर इनके पास झोपड़ी ही होती है। वर्तमान में सरकार द्वारा मिलने वाले आवास से इन्हें भी लाभान्वित तो जरूर किया जा रहा है, लेकिन दबंगो के आगे इनके पक्के खुद के आवास का आस भी निराश होती हुई नजर आ जा रही है। शुक्रवार को जिले के नक्सल प्रभावित इलाके राजगढ़ विकास खंड क्षेत्र से आएं मुसहरों ने ऐसा ही आरोप लगाते हुए कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते हुए जमीन पर बैठे हुए दिखलाई दिए हैं। पूरे परिवार संग धरने पर बैठे मुसहरों ने जिलाधिकारी से गुहार लगाते हुए बताया कि वह गरीब मुसहर समाज से आते हैं जिन्हें काफी मशक्कत के बाद प्रधानमंत्री आवास आवंटित किया गया है। जिसका आधा निर्माण होने के पश्चात् भू–माफियाओं द्वारा जबरिया उसे रोक कर डराया धमकाया जा रहा है।

# बड़े भाई ने छोटे भाइयों को जिंदा जलाने की कोशिश, 6 लोग झुलसे

गोरखपुर के चिलुआताल थाना क्षेत्र के दहला गांव में बड़े भाई ने पारिवारिक विवाद के चलते अपने दो छोटे भाइयों और उनके परिवारों को जिंदा जलाने की कोशिश की। शुक्रवार देर रात आरोपी ने दोनों भाइयों के कमरों के बाहर ताला लगाकर थिनर छिड़क कर आग लगा दी। इस घटना में छह लोग गंभीर रूप से झुलस गए। कमरे में आग लगने के बाद परिवार के सदस्य बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन दरवाजे पर ताला होने के कारण वे बाहर नहीं आ सके। एक घंटे तक आग की लपटों में फंसे रहे। इस बीच, कमरे में रखा फ्रिज का गैस सिलेंडर फटने से दीवार टूट गई। इसी रास्ते से घायलों को बाहर निकाला गया।

घायलों में बृजेश निषाद (32), उनकी पत्नी मधु (28), बेटी रिद्धिमा (3), अरविंद निषाद (30) और उनकी पत्नी माला (25) शामिल हैं। सभी को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। अरविंद और माला की हालत नाजुक बनी हुई है। अरविंद और माला की शादी चार दिसंबर को हुई थी और माला पांच दिसंबर को ससुराल आई थीं। ग्रामीणों के अनुसार, आरोपी बेचन निषाद अक्सर अपने भाइयों से झगड़ा करता था। शादी में न्योता न मिलने के कारण वह नाराज था। घटना के बाद बेचन और उसकी पत्नी शांति फरार हो गए। माला के भाई की शिकायत पर पुलिस ने हत्या के प्रयास और आगजनी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

# BSA का बड़ा एक्शन, महिला शिक्षक मोर्चा की जिलाध्यक्ष सस्पेंड, जानिए परतावल का पूरा मामला

महराजगंज ।बीएसए श्रवण कुमार गुप्ता ने परतावल ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय कुसुम्हा की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका वंदना त्रिपाठी (प्राथमिक शिक्षक संघ महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष) को निलंबित कर दिया है. बीएसए ने यह कार्रवाई व्हाट्सएप ग्रुप पर विभागीय आदेश पर अमर्यादित टिप्पणी करने पर की.खंड शिक्षा अधिकारी परतावल मुसाफिर सिंह ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को बताया कि आरोपी प्रधानाध्यापिका ने ब्लॉक एक के ग्रुप पर विभागीय आदेश की अवहेलना से संबंधित पोस्ट किया था. इसके बाद बीएसए ने दायित्वों का निर्वहन नहीं करने, अधिकारियों व विभागीय आदेशों की अवहेलना करने के आरोप में निलंबित कर दिया है.कई प्रधानाध्यापकों को कारण बताओ नोटिस रूबीएसए श्रवण कुमार गुप्ता ने शुक्रवार को कई विद्यालयों का निरीक्षण किया. इस दौरान कहीं आधे बर्तन मिले, तो कहीं वह भी नहीं मिले. कई स्कूलों में खेल का सामान नहीं खरीदा गया. इस पर बीएसए ने सभी प्रधानाध्यापकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा है. जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर निलंबन व अन्य कार्रवाई की जाएगी.

# गोला कोतवाली पर आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस, अधिकारियों की अनुपस्थिति में समाधान नहीं हुआ

गोला, गोरखपुर। बांसगांवसंदेश।

शनिवार को गोला कोतवाली में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें फरियादियों ने अपनी समस्याएं पेश कीं। समाधान दिवस पर एसएसआई बांके यादव और हल्का लेखपाल उपस्थित थे, लेकिन राजस्व विभाग का कोई भी सक्षम अधिकारी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुआ, जिससे किसी भी मामले का समाधान नहीं हो सका। समाधान दिवस के दौरान सबसे अधिक चर्चा का विषय 62 वर्षीय झिनकू दुबे की हत्या का मामला रहा। जानकारी के अनुसार, झिनकू दुबे की शुक्रवार को निर्मम हत्या कर दी गई थी, जब वह अपनी बहू गुड़िया को गोरखपुर जनपद न्यायालय में बयान कराने ले जा रहे थे।आरोपियों ने उन्हें गोला कौड़ीराम सड़क मार्ग पर रॉड से पीटकर जान ले ली थी। पुलिस और उच्च अधिकारियों के साथ एसपी आरए दक्षिणी, एसपी क्राइम और सीओ गोला इस मामले में जांच कर रहे थे और शव दाह तक व्यस्त रहे। समाधान दिवस पर मृतक झिनकू दुबे का मामला छाया रहा, लेकिन अधिकारियों की अनुपस्थिति में अन्य फरियादियों के मामलों का समाधान नहीं हो सका। इस अवसर पर अवधेश लाल श्रीवास्तव, संजय तिवारी, उपेंद्र कुमार, मुन्नालाल, अजित सिंह, रामाश्रय प्रसाद, कन्हैया लाल, उमेश नरसिंह, प्रकाश चंद, अजय पाठक, प्रिंस सिंह, आशीष तिवारी, आनंदेश्वर यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

## निपुण भारत मिशन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले गोरखपुर के खंड शिक्षाधिकारी सम्मानित

गोरखपुर।

गोरखपुर जिले के पांच खंड शिक्षा अधिकारियों और एक प्रधानाध्यापक को लखनऊ में बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह और महानिदेशक स्कूली शिक्षा कंचन वर्मा द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में किया गया था। इस दौरान प्रदेश के 75 प्रधानाध्यापकों और 76 खंड शिक्षा अधिकारियों को सम्मानित किया गया। गोरखपुर जिले से कौड़ीराम के खंड शिक्षा अधिकारी जय प्रकाश मौर्य, गोला के उदयशंकर राय, बड़हलगंज के मनोजीत राव, भटहट की शबिस्ता परवीन, और जंगल कौड़िया के खंड शिक्षा अधिकारी लवकुश कुमार को उनके पूर्व तैनाती वाले जिलों में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान मिला। इसके अलावा पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय सराय गुलरिहा की प्रधानाध्यापिका चंद्रमा गौतम को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

## भाजपा बूथ अध्यक्ष अभिनंदन समारोह में 2027 चुनाव की रणनीति पर चर्चा

गोरखपुर।

बड़हलगंज नगर पंचायत के सभागार में आयोजित बूथ अध्यक्ष अभिनंदन समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने 2027 के चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिलाध्यक्ष और यूपी आरएनएसएस लखनऊ के निदेशक मार्कण्डेय राय ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 एजेंडे को साकार करने का आह्वान किया। चिल्लूपार विधायक राजेश त्रिपाठी ने कहा कि नवनिर्वाचित बूथ अध्यक्ष ही देश के भविष्य की नींव हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जाति और भेदभाव से ऊपर उठकर सभी को जोड़ने की अपील की। समारोह की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अखंड शाही ने की, जबकि संचालन दुर्गेश मिश्र ने किया।नवनिर्वाचित बूथ अध्यक्षों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी द्वारा हस्ताक्षरित अभिनंदन पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में चेयरमैन प्रतिनिधि महेश उमर, राजीव पांडेय, श्रीकांत सोनी, अशोक तिवारी, गौरव उमर, कृष्णमोहन मौर्य, आनंद शुक्ल, और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

## सरयू अमृत महोत्सव में चिल्लूपार केसरी का खिताब रमन सिंह के नाम

गोरखपुर।बड़हलगंज विकासखंड के मैंभरा डेरवा खेल मैदान में आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता में रमन सिंह ने चिल्लूपार केसरी का खिताब जीता। सरयू अमृत महोत्सव के तहत पहलवान जय नारायण सिंह और हरि निषाद की स्मृति में इस प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें 51 जोड़ियों ने हिस्सा लिया। रमन सिंह ने रामबाग के सुंदरम यादव को हराकर यह खिताब जीता। डेरवा के जितेंद्र ने वीर अभिमन्यु और शिवम ने चिल्लूपार कुमार का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में चिल्लूपार विधायक राजेश त्रिपाठी ने कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं में ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने बताया कि पहली बार चिल्लूपार में कुश्ती मैट पर कराई गई, जिससे पहलवानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का मौका मिलेगा। आयोजन के संयोजक और भारतीय कुश्ती टीम के कोच चंद्रविजय सिंह ने सभी प्रतिभागियों और दर्शकों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन शैलेश पहलवान और रेफरी जितेंद्र सिंह ने किया। समापन समारोह में विजेता और उपविजेता पहलवानों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख राम आशीष राय, चेयरमैन प्रतिनिधि महेश उमर, ग्राम प्रधान प्रेमप्रकाश सिंह, आचार्य वेद प्रकाश त्रिपाठी, और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। आयोजन में अन्य खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले युवाओं को भी प्रोत्साहित किया गया।

## झाड़ी में मिला 40 वर्षीय अज्ञात युवक का शव

सहजनवा।गीडा थाना क्षेत्र के जीरो प्वाइंट के पास स्थित झाड़ी में शनिवार को एक 40 वर्षीय युवक का शव मिला। राहगीरों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। युवक ने नीले रंग का पैंट, सफेद शर्ट और कथई रंग का जैकेट पहना हुआ था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया। युवक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## विधायक ने बहुदेशीय भवन का शिलान्यास और सीसी रोड का लोकार्पण'

घघसरा,

नगर पंचायत घघसरा बाजार में शनिवार को विधायक प्रदीप शुक्ल ने डुमरी निवास स्थित वैदिक धर्म इंटर कॉलेज में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्वीकृत बहुदेशीय भवन का शिलान्यास किया। इसके साथ ही विद्यालय के लिए बनी सीसी रोड का लोकार्पण भी किया।विधायक प्रदीप शुक्ल ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में क्षेत्र में शिक्षा और बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास हो रहा है। सहजनवा तहसील क्षेत्र में आवासीय विद्यालयों का निर्माण बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र की सड़कों का पूरी तरह कायाकल्प हो चुका है, जिससे विकास की गति तेज हो गई है। विद्यालय के लिए बनी 50 मीटर लंबी सीसी रोड, जिसकी लागत चार लाख रुपये है, अब छात्रों और आम नागरिकों के लिए आवागमन को सुगम बनाएगी। इस अवसर पर विधायक ने भूमि पूजन कर बहुदेशीय भवन का भी शिलान्यास किया। कार्यक्रम में चेयरमैन प्रभाकर दुबे, ब्लॉक प्रमुख ई. शशिप्रताप सिंह, पूर्व प्रमुख परमेश्वर राज, प्रबंधक सुभेदार राज, प्रधानाचार्य चंद्रशेखर मिश्र, शिवचरन, नवीन राज, मनोज सिंह, त्रयंबक उपाध्याय, राजेश आर. त्रिपाठी, रमेश राज, ध्रुव चंद गोड़, विकास उपाध्याय, ध्रुव चंद्र पाण्डेय, दानिश अली, हिदेश कुमार रावत, आकाश राय, दीर्घविजय राय, धनंजय सिंह, आलोक पाठक, कौसर नियाज, रंजू राज, सुरेंद्र भारती और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

## 'अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा दिवस का आयोजन सेंट लारेंस स्कूल, सहजनवां में'

'घघसरा, गोरखपुर। बांसगांव संदेश' शनिवार को पाली क्षेत्र के अंतर्गत सेंट लॉरेंस स्कूल पट्टी धर्मदास, सहजनवां में अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला, गोरखपुर द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गोरखपुर के ग्रामीण क्षेत्रों के पांच विद्यालयों के लगभग 500 विद्यार्थियों ने भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने ऊर्जा संरक्षण के महत्व को समझते हुए वाद–विवाद और विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रोफेसर आर. पी. मौर्य, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष (भौतिक विज्ञान विभाग, डीडीयू), मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, और उन्होंने विद्यार्थियों से ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया। उनका कहना था कि विद्यार्थियों को ऊर्जा के स्रोतों का पूर्ण उपयोग और संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी देना जरूरी है, ताकि वे देश के विकास में योगदान कर सकें।कार्यक्रम में डॉ. एसपी त्रिपाठी, पूर्व प्रधानाचार्य, एमजी इंटर कॉलेज, ने भी ऊर्जा के संरक्षण के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि ऊर्जा के स्रोत सीमित हैं, और उनका संरक्षण आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों में इस तरह की जागरूकता बढ़ाना एक अद्वितीय प्रयास है।विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के वैज्ञानिक महादेव पांडे ने बताया कि गोरखपुर जिले में शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के विद्यार्थियों के बीच विज्ञान के प्रति रुचि और वैज्ञानिक शोध के विकास के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिनमें यशस्विनी मिश्रा, यशी मिश्रा, समीक्षा त्रिपाठी, अंजली सिंह, सोनाक्षी निषाद, शिवांगी पाल, कैलाश शुक्ला, और आदित्य यादव शामिल थे।इस कार्यक्रम में सेंट लॉरेंस स्कूल के प्रबंधक अजय कुमार मिश्रा, प्रधानाचार्य संजय कुमार मिश्रा, और केंद्र के अधिकारी व कर्मचारी देवेंद्र कुमार दुबे, अमरपाल सिंह, वेद प्रकाश पांडे, अशोक कुमार मिश्रा, इजहार अली आदि भी उपस्थित रह

## पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर की कार्यवाही की मांग

अंबेडकर नगर। थाना कोतवाली अकबर क्षेत्र की ग्राम जमालपुर निवासी लक्ष्मी पुत्री लव कुश वर्मा ने एसपी अंबेडकर नगर को पत्र देकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। पीड़िता ने बताया कि मेरी उम्र इस समय 17 वर्ष है और मैं अवयस्क हूं मेरे पिता लवकुश वर्मा पुत्र राम कलप माता मीना पत्नी लवकुश चाचा प्रेम प्रकाश उर्फ बबलू शतरंजन वर्मा उर्फ कट्टन पुत्र रामजन वर्मा सत्य प्रकाश वर्मा पुत्र राम कृपाल वर्मा अंजू देवी पत्नी शतरंजन वर्मा ने 10 लख रुपए लिया और मेरा बाल विवाह मनोज पुरोलिया पुत्र अज्ञात निवासी प्रेम नगर गली नंबर 5 जिला रोहतक हरियाणा से मुझे बेंच दिया है और मेरा बाल विवाह डेढ़ माह पूर्व केदार नगर मैरिज हॉल में थाना इब्राहिमपुर जनपद अंबेडकर नगर जबरन कर दिया है। मेरे साथ मेरी इच्छा के विरुद्ध मनोज पुरोलिया व उनके भाई द्वारा गलत व्यवहार किया जाता है।किसी सूरत से अपनी जान बचाकर आज अकबरपुर आई हूं। शारीरिक मानसिक उत्पीड़न व बलात्कार जैसी घटना की पुनरावृत्त ना हो सके मैं अपने माता–पिता के साथ नहीं जाना चाहती। मुझे नारी संप्रेक्षण गृह लखनऊ में भेज दिया जाए ताकि मेरा जीवन सुरक्षित रह सके और विपक्षी गण के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उचित कार्यवाही की जाय।

## सूर्यकांत मिश्र हत्याकांड: रहस्य बरकरार, जांच जारी

संतकबीर नगर। जिले के बेलहर थाना क्षेत्र के बरगदवा खुर्द गांव निवासी सूर्यकांत मिश्र की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। एक सप्ताह बीतने के बाद भी पुलिस के हाथ कोई ठोस सुराग नहीं लगा है, जिससे मामले का रहस्य गहराता जा रहा है। घटना के दिन सूर्यकांत मिश्र का शव गांव के पास बगीचे में मिला। शव मिलने के बाद गांव में हड़कंप मच गया और मृतक के पिता चतुर्थ मिश्र ने पुरानी रंजिश और धमकियों का हवाला देते हुए गांव के एक ही परिवार के सात लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया और मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने प्रेम प्रसंग और पुरानी रंजिश समेत सभी संभावनाओं पर काम किया। एसओजी, सर्विलांस और अन्य टीमों ने भी जांच में सहयोग किया। इस दौरान पुलिस ने आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं होने से पुलिस उलझ गई। मृतक का विसरा जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस ने घटना के दिन से गायब एक संदिग्ध युवक को चंडीगढ़ से पकड़कर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। इस मामले में नामजद आरोपियों को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोपियों में से दो युवक दिल्ली में नौकरी कर रहे हैं, एक इलाहाबाद में पढ़ाई कर रहा है, और एक खलीलाबाद विकास भवन में नौकरी करता है। ग्रामीणों का कहना है कि इतनी दूर से गांव आकर हत्या करना मुश्किल लगता है। पुलिस ने सभी आरोपियों के फोन कॉल डिटेल्स खंगालने के लिए सर्विलांस टीम लगाई है। मौत का कारण स्पष्ट न होने से चर्चाओं का बाजार गर्म है। कुछ लोग इसे हत्या मान रहे हैं तो कुछ इसे सामान्य मौत बता रहे हैं। चर्चा है कि अंतिम कॉल में सूर्यकांत को शराब पार्टी के लिए बुलाया गया था। मामले की वास्तविकता क्या है, यह पुलिस जांच के बाद ही साफ होगा।

## राजकीय बालिका हाईस्कूल फरीदपुर कुतुब टांडा में कैरियर मेले का आयोजन

अंबेडकरनगर। राजकीय बालिका हाईस्कूल फरीदपुर कुतुब टांडा में समग्र शिक्षा अभियान योजनान्तर्गत कैरियर गाइडेन्स मेले का आयोजन हर्षोलास के साथ किया गया ।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वित्त एवम लेखाधिकारी माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा शिरीष पति त्रिपाठी, जितेंद्र कुमार पांडे जिला समन्वय माध्यमिक शिक्षा, प्रमिला वर्मा प्रधानाचार्य राजकीय हाई स्कूल डिहवा मोहिउद्दीनपुर , प्रमिला यादव प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज इनामी पुर टांडा ,शकुंतला देवी प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज टांडा , इंद्रजी रंजीत कुमार वर्मा स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टांडा, अभिभावक संघ के अध्यक्ष वकील अहमदजी, विद्यालय की शिक्षिका तुषारिका , शशि यादव ,स्पेशल एजुकेट फजले हसन एवं रामनाथ सहित बड़ी संख्या में बच्चों के माता पिता अभिभावक के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि एवम् विशिष्ट अतिथि रंजीत कुमार वर्मा के कर कमलों द्वारा माँ सरस्वतीजी की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन एवं पुष्पार्चन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त परामर्शदाता वक्ताओं द्वारा बच्चों के कैरियर से सम्बन्धित अपार सम्भावनाओं ६ विकल्पों पर चर्चा करते हुए एक निश्चित लक्ष्य निर्धारित करकेअपना भविष्य सवाँरने की दिशा में आगे बढ़ने की सलाह दी गयी । कैरिपर सम्बन्धी बच्चों द्वारा लगाये गये स्टॉल तया कैरियर हब कक्ष का भी अवलोकन अतिथियों द्वारा किया गया । बच्चों ने अपने कैरियर के लक्ष्यों को बड़ी उत्सुकता के साथ मेले में आये हुए विद्वान अतिथियों के साथ साझा किया । कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम संचालिका तुषारिका (स०अ० )का योगदान काफी सराहनीय रहा। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ० तारा वर्मा ने मेले में आये हुए सभीअतिथिगणों का आभार व्यक्त किया ।अन्त में सूक्ष्म जलपान के साथ कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गयी।

## राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस 2024 का आयोजन

गोरखपुर।

इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (आईटीएम) और इंस्टिट्यूशन्स ऑफ इंजीनियर्स गोरखपुर लोकल सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस 2024 का आयोजन 14 दिसंबर को आईटीएम गोरखपुर के प्रांगण में किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों, शिक्षकों और विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर–पूर्व रेलवे के मुख्य विद्युत अभियंता श्री राजेश गुप्ता ने दीप प्रज्वलन कर किया। उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा, ष्ऊर्जा संरक्षण पर्यावरण की सुरक्षा और समाज के सतत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।ष इं. जे. बी. राय, अध्यक्ष, मदन मोहन मालवीय एलुमनी एसोसिएशन, ने कहा, ष्ऊर्जा संरक्षण में युवाओं की भूमिका अहम है और जागरूकता के जरिए इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाया जा सकता है।ष डॉ. पवन कुमार मिश्रा, वरिष्ठ निदेशक, सीआईडीसी, नई दिल्ली ने ऊर्जा प्रबंधन की नई तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, ष्नवीकरणीय ऊर्जा भविष्य की दिशा है।ष कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रदर्शनी ने ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता को बढ़ाया। प्रदर्शनी में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, और ऊर्जा दक्ष उपकरणों के मॉडल प्रदर्शित किए गए। छात्रों ने ऊर्जा संरक्षण पर आधारित प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए, जिनमें दैनिक जीवन में ऊर्जा की खपत को कम करने और हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के उपाय बताए गए। कार्यक्रम के अंत में निर्णायक मण्डल ने छात्रों के प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन किया और प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर चयनित छात्रों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया। संस्थान के निदेशक और इंस्टिट्यूशन्स ऑफ इंजीनियर्स गोरखपुर लोकल चौप्टर के अध्यक्ष डॉ. एन. के. सिंह ने अपने संबोधन में कहा, ष्ऊर्जा संरक्षण दिवस केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि जागरूकता का एक संदेश है। आईटीएम इस दिशा में हमेशा प्रयासरत रहेगा।ष इस अवसर पर फार्मेसी निदेशक डॉ. पी. डी. पंडा, इं. एम. डब्ल्यू. बेग, इं. के. पी. सिंह, डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. आर. पी. सिंह, डॉ. निधि गुप्ता, डॉ. ए. आर. त्रिपाठी, डॉ. आर. एल. श्रीवास्तव, विनीत राय, डॉ. आशुतोष गुप्ता, डॉ. आशुतोष पांडेय, आशुतोष राव, दीप्ति ओझा, डॉ. संत प्रसाद, डॉ. खालिद हसन, श्वेता सिंह, प्रदीप चौधरी, डॉ. अलका श्रीवास्तव, अवनीश कुमार सिन्हा सहित संस्थान के सभी शिक्षकगण और छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

## नगर पंचायत चौमुखा कैम्पियरगंज द्वारा अतिक्रमण की नोटिस

### सोमवार तक के मिले अल्टीमेटम से हड़कंप

कैम्पियरगंज गोरखपुर। बांसगांव सन्देश। शनिवार को नगर पंचायत चौमुखा कैम्पियरगंज के ईओ आशीष कुमार ने नगर पंचायत स्थित वीर बहादुर सिंह चौराहे से उत्तरी रेलवे गेट तक सरकारी जमीन पर बने मकानों एवं दुकानों को अतिक्रमण की जद में बताते हुए दर्जनों मकान स्वामी को नोटिस जारी कर उन्हें सोमवार सुबह 10 बजे तक अतिक्रमण को हटाने का आदेश जारी किया है । नोटिस जारी होते ही व्यापारियों में हड़कंप मच गया है। नगर पंचायत की नोटिस जारी होने के बाद व्यापारियों में आक्रोश व्याप्त हो गया है। व्यापारियों ने बताया कि पहले जिस जगह पर नाला निर्माण शुरू हुआ था उसे ईओ ने शुक्रवार को पटवा दिया और मौके पर खड़े होकर नये नाले के लिए सड़क से चार से पांच मीटर अतिक्रमण बताकर कस्बे के मुख्य मार्ग पर बने दोनों तरफ के मकानों को सीमांकन कर उसे चिन्हित करा दिया। इस सम्बन्ध में ईओ आशीष कुमार का कहना है कि जो नाली बनीं थीं वह बहुत पतली थी और गांव सभा ने सड़क से सटे जैसे तैसे बना दिया था इससे जल निकासी भी नहीं हो पा रही थी और इससे कस्बे की मुख्य सड़क काफी संकरी हो गई है जबकि यह अब हाइवे मार्ग संख्या 328 हो गई है और आने वाले दिनों में सड़क का चौड़ीकरण भी होना सुनिश्चित है ऐसे में यदि होने वाले नवनिर्मित नाले को पुरानी नाली पर निर्माण किया गया तो नगर पंचायत के बजट से बनने वाले नाले को भी नुकसान होगा और भारी राजस्व का नुकसान भी हो सकता है । इसलिए इस सम्बन्ध में सरकारी जमीनों को चिन्हित कर सड़क की पटरी से चार से पांच मीटर तक सीमांकन कर अतिक्रमण करने वालों को नोटिस जारी किया गया है । और उन्हें सोमवार तक सुबह 10 बजे तक की मोहलत भी दी गई। उन्होंने बताया कि यदि सोमवार तक दी गई मियाद के अन्दर अतिक्रमण कारी अपने अतिक्रमण को स्वयं नहीं हटाया तो प्रशासनिक अमले को लेकर नगर पंचायत खुद अतिक्रमण को हटायेगी । ईओ ने बताया कि सभी वैधानिक कार्यवाही पूरी की जा चुकी है और अब सोमवार से नाला निर्माण कार्य को लेकर अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी।

## समाजसेवी के आग्राह पर सिंगर काजल निगम ने जरूरतमंद महिला को दिया ब्लड

अंबेडकरनगर ।फूलचंद निवासी आनंद नगर इनकी माता प्रभा का पैर फिसलने से कुल्हा टूट गया है इनको जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने कहा इनको ब्लड कम है पहले ब्लड की व्यवस्था करो उनके घर में कोई ऐसा व्यक्ति नहीं है जो ब्लड दे सके फूलचंद अपने माता जी को ब्लड देना चाहते थे लेकिन इनका वजन कम होने के नाते फूलचंद का ब्लड नहीं निकल पाया। किसी ने समाजसेवी बरकत अली का नंबर दिया और कहा यह आपकी मदद करेंगे जब इन्होंने समाजसेवी बरकत अली के पास फोन किया और समस्या बताइ समाजसेवी बरकत अली ने सिंगर काजल निगम से आग्राह किया कि आप अपना कार्ड देखकर उनकी मदद करें ।सिंगर काजल निगम ने अपने पति रजनीश निगम के साथ अभी हाल ही में ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान किया था वह आज ब्लड बैंक पहुंचकर जरूरतमंद महिला को ब्लड उपलब्ध कराया और उन्होंने लोगों से अपील भी किया कि आप लोग रक्तदान करें ताकि ऐसे लोगों की मदद हो सके।

## गोला में झिनकू दुबे की हत्या, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, गोला मुक्तिधाम पर अंतिम संस्कार

गोला ।गोरखपुर जिले के गोला थाना क्षेत्र के ग्राम धौरहरा निवासी 62 वर्षीय झिनकू दुबे की हत्या का मामला सामने आया है। घटना शुक्रवार सुबह की है, जब झिनकू दुबे अपनी बहू गुड़िया के साथ बाइक से गोरखपुर के जनपद न्यायालय जा रहे थे। रास्ते में ग्राम कौड़ीराम के पास देवकली पेट्रोल पंप के पहले एक चार पहिया वाहन ने उनकी बाइक को ठोकर मार दी और उसके बाद आरोपियों ने लोहे की रॉड से झिनकू दुबे पर बर्बरतापूर्वक हमला कर दिया। घायल अवस्था में उन्हें मेडिकल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद, झिनकू दुबे की बहू गुड़िया ने गोला थाने में लिखित तहरीर दी, जिसमें उन्होंने ग्राम प्रधान रामेश्वर दुबे और उनके सहयोगियों पर हत्या का आरोप लगाया। तहरीर के अनुसार, कुछ दिन पहले झिनकू दुबे ने अपने घर में मारपीट और अश्लील हरकत करने के कारण आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी थी। शनिवार को पुलिस ने इस मामले में चार नामजद और दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया और तीन आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया।शव दाह तक कड़ी पुलिस सुरक्षा रही। शव को मेडिकल से घर लाने के बाद, पुलिस की निगरानी में शव को गोला मुक्तिधाम लाया गया। जहां झिनकू दुबे के बड़े पुत्र चंदन ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। शव दाह स्थल पर घटना के खिलाफ लोगों में आक्रोश था। गुड़िया दुबे ने अपनी तहरीर में कहा कि ग्राम प्रधान रामेश्वर दुबे और उनके परिवार के सदस्य पूर्व में भी उनके परिवार के साथ मारपीट कर चुके थे और इस घटना के पीछे भी उनका हाथ है। आरोप है कि रामेश्वर दुबे ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर इस हत्या को अंजाम दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और जल्द ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की उम्मीद है। गोला पुलिस ने पूरी रात मौके पर मौजूद रहकर स्थिति को नियंत्रण में रखा, और शव दाह कार्यक्रम के दौरान भी पुलिस के अधिकारी सतर्क रहे। इस मामले की निष्पक्ष जांच के लिए उच्च अधिकारियों द्वारा भी निर्देश दिए गए हैं।

## 'गोला कोतवाली पर सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन'

'गोला, गोरखपुर।'

शनिवार को गोला कोतवाली में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस अवसर पर एसएसआई बांके यादव और हल्का लेखपाल उपस्थित रहे, लेकिन राजस्व विभाग से कोई सक्षम अधिकारी उपस्थित नहीं था, जिससे कोई समाधान नहीं हो सका। समाधान दिवस पर मृतक झिनकू दुबे का मामला प्रमुख रूप से चर्चा में रहा। झिनकू दुबे की हत्या के मामले में गोला पुलिस और अन्य अफसरान एसपी आरए दक्षिणी, एसपी क्राइम, सीओ गोला और कोतवाल गोला ने मामले को गंभीरता से लिया। समाधान दिवस पर अवधेश लाल श्रीवास्तव, संजय तिवारी, उपेंद्र कुमार, मुन्नालाल, अजित सिंह, रामाश्रय प्रसाद, कन्हैया लाल, उमेश नरसिंह, प्रकाश चंद, अजय पाठक, प्रिंस सिंह, आशीष तिवारी और आनंदेश्वर यादव उपस्थित थे।

## गोला कोतवाली पर आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस, अधिकारियों की अनुपस्थिति में समाधान नहीं हुआ

गोला, गोरखपुर। बांसगांवसंदेश।

शनिवार को गोला कोतवाली में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें फरियादियों ने अपनी समस्याएं पेश कीं। समाधान दिवस पर एसएसआई बांके यादव और हल्का लेखपाल उपस्थित थे, लेकिन राजस्व विभाग का कोई भी सक्षम अधिकारी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुआ, जिससे किसी भी मामले का समाधान नहीं हो सका। समाधान दिवस के दौरान सबसे अधिक चर्चा का विषय 62 वर्षीय झिनकू दुबे की हत्या का मामला रहा। जानकारी के अनुसार, झिनकू दुबे की शुक्रवार को निर्मम हत्या कर दी गई थी, जब वह अपनी बहू गुड़िया को गोरखपुर जनपद न्यायालय में बयान कराने ले जा रहे थे।आरोपियों ने उन्हें गोला कौड़ीराम सड़क मार्ग पर रॉड से पीटकर जान ले ली थी। पुलिस और उच्च अधिकारियों के साथ एसपी आरए दक्षिणी, एसपी क्राइम और सीओ गोला इस मामले में जांच कर रहे थे और शव दाह तक व्यस्त रहे। समाधान दिवस पर मृतक झिनकू दुबे का मामला छाया रहा, लेकिन अधिकारियों की अनुपस्थिति में अन्य फरियादियों के मामलों का समाधान नहीं हो सका। इस अवसर पर अवधेश लाल श्रीवास्तव, संजय तिवारी, उपेंद्र कुमार, मुन्नालाल, अजित सिंह, रामाश्रय प्रसाद, कन्हैया लाल, उमेश नरसिंह, प्रकाश चंद, अजय पाठक, प्रिंस सिंह, आशीष तिवारी, आनंदेश्वर यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

## बाईक की आमने सामने की टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से घायल

थाना क्षेत्र के बांसगांव कौड़ीराम रोड पर एचडीएफसी बैंक के सामने दो बाईकों की आमने सामने से हुई टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए ।बांसगांव प्रतिनिधि से मिली जानकारी से अनुसार मिश्रौली निवासी राम किशुन गौंड पुत्र सुखदेव व निर्मला देवी अपनी बुलेट बाइक से कही से अपने घर मिश्रौली की तरफ जा रहे थे कि अचानक कौड़ीराम की तरफ से तेज गति से आ रही एक अन्य बाइक से जोरदार टक्कर हो गई जिसमे दूसरे बाइक सवार मोनू पुत्र हरिश्चंद्र निवासी गोड़सरी भीटहां सवार था।

## मां विशारी देवी का बोर्ड हटाए जाने से सनातनियों में रोश

संकिसा, फर्रुखाबाद

संकिसा निवासी आशुतोष दीक्षित ने जिलाधिकारी को एक प्रार्थना पत्र सौंपकर आरोप लगाया कि 7 दिसंबर को पर्यटन विभाग ने मां विषारी देवी मंदिर के पास एक बोर्ड लगाया था, लेकिन कुछ ही समय बाद उसी बोर्ड को अधिकारियों और कर्मचारियों ने हटा लिया। पुजारी कुलदीप गिरी ने जब इसका विरोध किया, तो अधिकारियों ने उन्हें बताया कि बोर्ड को मंदिर की वाउण्ड्री के अंदर लगाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इसके बजाय, वे उस बोर्ड को अपने निजी वाहन में लादकर ले गए। इस घटना के बाद सनातनियों में आक्रोश फैल गया है, और उन्हें यह महसूस हो रहा है कि इस तरह से बोर्ड हटाकर मां विषारी देवी का अपमान किया गया है। इसी संदर्भ में, नगर पंचायत संकिसा के बसंतपुर क्षेत्र में पर्यटन विभाग द्वारा लगाए गए बोर्ड को सुरक्षित रूप से रखा गया है, लेकिन विषारी देवी मंदिर के बोर्ड को हटाए जाने पर सनातनियों का कहना है कि यह किसी राजनीतिक दबाव का परिणाम हो सकता है। आशुतोष दीक्षित ने जिलाधिकारी से बोर्ड को फिर से मां विषारी देवी मंदिर के गेट के पास लगाने की मांग की है। शिकायत मिलने के बाद सदर

## थाना पीपीगंज में चोरी का अपराध कारित करने के आरोप में एक अभियुक्तगिरफ्तार

पीपीगंज गोरखपुर। । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद गोरखपुर के द्वारा चोरी के अपराधों पर अंकुश लगाने एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक उत्तरी के मार्गदर्शन में, क्षेत्राधिकारी कैम्पियरगंज के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह पीपीगंज के नेतृत्व में उपनिरीक्षक नितिन श्रीवास्तव मय पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं 578ध्2024 धारा 303(2) बीएनएस से संबंधित अभियुक्त को चोरी के मोटर साइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारीध्बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 317(2) बीएनएस की बढोत्तरी की गयी । अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। घटना का संक्षिप्त विवरण दिनांक 12.12.2024 को वादी मुकदमा की मोटर साइकिल अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लेने के संबंध

## द्विवेदी होम्योपैथिक की नई शाखा का भव्य उद्घाटन

ब्रह्मपुर,

माईधिया पोखरी चौराहे के पास द्विवेदी होम्योपैथिक की नई शाखा का शुभारंभ शनिवार को भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि चौरीचौरा के विधायक श्री श्रवण कुमार निषाद और विहिप के प्रांतीय प्रसार प्रमुख श्री प्रदीप पांडेय ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ गई।

उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्तियों और स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रेमियों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों ने इस नई शाखा की स्थापना को क्षेत्र के स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। द्विवेदी होम्योपैथिक की यह नई शाखा आसपास के लोगों को गुणवत्तापूर्ण होम्योपैथिक उपचार उपलब्ध कराने में सहायक होगी। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने स्वास्थ्य सेवाओं के विकास के प्रति अपने विचार साझा किए और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक,*सम्पादक कपिल देव शुक्ल* द्वारा विभव प्रिंटर्स गाटा सं025 लोलेपुर सुलतानपुर उ० प्र०. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट, पो० व थाना कुरेभार, जिला–सुलतानपुर (उ०प्र०) से प्रकाशित *सम्पादक– कपिल देव शुक्ल,*
मो० 9415739288,9721748962
E-mail: kdshukla-79@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।